www.summerexpress.in

समर एक्सप्रेस

R.N.I NO. CHMUL/25/A1155

• साल-1 • अंक-47 • पृष्ठ-8 • मूल्य-01 रूपये • वीरवार 23 अक्टूबर 2025 • पंजाब • हरियाणा • हिमाचल • चंडीगढ़ • ग्रुप एडिटर : अर्शदीप सिंह समर

न्यूज़ ब्रीफ

नीरज चोपड़ा बने लेफ्टिनेंट कर्नल

पानीपत। हरियाणा के ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा को भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि प्रदान की गई। नई दिल्ली में आयोजित अलंकरण समारोह में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने यह सम्मान दिया,जबकि थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी भी मौजूद रहे। नीरज ने 2016 में सेना में नायब सूबेदार के रूप में सेवा शुरू की थी। 2021 में वे सूबेदार और 2022 में सूबेदार मेजर बने। टोक्यो ओलिंपिक में गोल्ड जीतने पर उन्हें 'परम विशिष्ट सेवा पदक' भी मिला था। इससे पहले, भारतीय सेना ने 14 मई 2025 को उन्हें टेरिटोरियल आर्मी में भी लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि दी थी।

जापान को मिली पहली महिला पीएम

टोक्यो। जापान ने इतिहास रचते हुए साने ताकाइची को देश की पहली महिला प्रधानमंत्री चुना है। संसद के निचले सदन में उन्हें 237 वोट, जबकि प्रतिद्वंद्वी को 149 वोट मिले। ऊपरी सदन में भी ताकाइची ने 125-46 के अंतर से जीत दर्ज की। प्रधानमंत्री बनने पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई दी। ताकाइची पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की करीबी और उनकी नीतियों की समर्थक मानी जाती हैं। वह मजबूत सेना, सख्त आव्रजन नीति और संविधान में संशोधन की पक्षधर हैं। हाल ही में पार्टी नेतृत्व में बदलाव के बाद उन्होंने शिगेरु इशिबा की जगह ली। जनता में बढ़ती महंगाई और असंतोष के बीच उनका यह चयन जापानी राजनीति के लिए अहम मोड़ माना जा रहा है।

व्हाइट हाउस में कार घुसाने की कोशिश

वॉशिंगटन। अमेरिका के व्हाइट हाउस के बाहर एक व्यक्ति ने अपनी कार से सुरक्षा गेट को तोड़ने की कोशिश की। यह घटना मंगलवार रात करीब 10:37 बजे हुई, जब डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस में मौजूद थे। यूएस सीक्रेट सर्विस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए ड्राइवर को हिरासत में ले लिया। वाहन की तलाशी के बाद उसे सुरक्षित घोषित किया गया। फिलहाल ड्राइवर की पहचान और मकसद का खुलासा नहीं हुआ है।

सिटीजन रिपोर्टर

अब आप भी बन सकते हैं समर एक्सप्रेस के सिटीजन रिपोर्टर। अपने इलाके की कोई भी समस्या, आयोजन, जानकारी या खबर हमें भेजें। आपके नाम के साथ प्रकाशित की जाएगी। अपनी खबर इस फोन नंबर 8146877702 या ईमेल infosummerexpress@gmail.com पर भेजें।

कनाडा में पंजाबी सिंगर पर गोदारा गैंग का हमला

कनाडा में गैंगस्टर कल्चर : गैंग ने दावा किया है तेज़ी काहलों पर फायरिंग में उसके पेट में गोली लगी

शालू मिरोक। चंडीगढ़

कनाडा में बढ़ती गैंगवार के बीच रोहित गोदारा से जुड़े अपराधियों ने पंजाबी गायक तेज़ी काहलों पर हुए हमले की जिम्मेदारी ली है। सोशल मीडिया पोस्ट में गैंग के सदस्यों ने दावा किया कि काहलों को इसलिए निशाना बनाया गया, क्योंकि वह विरोधी गिरोहों को धन और हथियार पहुंचा रहा था और उनकी मुखबिरी कर रहा था। गोदारा गैंग के सदस्यों ने आरोप लगाया कि जिस पंजाबी सिंगर को निशाना बनाया गया, वह उनके विरोधी गिरोहों को आर्थिक मदद और हथियार उपलब्ध करवा रहा था।

फेसबुक पर किए गए पोस्ट में, महेंद्र सारण देलाना, राहुल रिनाऊ और विक्की पहलवान नामक लोगों ने लिखा कि हमने कनाडा में तेज़ी काहलों पर फायरिंग की। उसे पेट में गोली लगी है। अगर उसे समझ आ गया तो ठीक, नहीं तो अगली बार खत्म कर देंगे। पोस्ट में कहा गया कि यह पंजाबी गायक उनके दुश्मनों को आर्थिक मदद, हथियार और अन्य संसाधन उपलब्ध करा रहा था। साथ ही, उसने कनाडा में उनके साथियों की मुखबिरी की थी। गैंग के सदस्यों ने इस पोस्ट में अन्य लोगों जैसे कारोबारी, बिल्डर और हवाला कारोबारियों को भी चेतावनी दी कि अगर उन्होंने उनके दुश्मनों की किसी भी तरह मदद की तो उन्हें भी यही अंजाम भुगतना पड़ेगा।यह फायरिंग उस समय हुई जब कुछ दिन पहले अमेरिका में लॉरेंस बिश्नोई के करीबी हरी बॉक्सर पर हमला हुआ था, जिसकी जिम्मेदारी भी रोहित गोदारा ने ली थी। गोदारा ने कथित रूप से फेसबुक पर लिखा कि उसने और गोल्डी बराड़ ने कैलिफोर्निया में यह हमला करवाया, जिसमें बॉक्सर का एक साथी मौके पर मारा गया और दूसरा घायल अस्पताल में भर्ती है।

गोल्डी बराड़ और रोहित गोदारा।

Mahendar Saran Delana

महेंद्र सारण देलाना की फेसबुक पोस्ट

पोस्ट में लिखा था, "मैं साफ बता देता हूं, अगर किसी ने भी, गलती से भी, हमारे दुश्मनों की मदद की या किसी भी रूप में सहयोग दिया, तो हम उसके परिवार तक को नहीं छोड़ेंगे। हम उसका विनाश कर देंगे। यह चेतावनी सभी भाइयों, कारोबारियों, बिल्डरों, हवाला व्यापारियों और बाकी सभी के लिए है। अगर किसी ने भी हमारे विरोधियों की मदद की, तो वह हमारा दुश्मन होगा। यह तो बस शुरुआत है, आगे देखना क्या होता है।" पोस्ट के अंत में कहा गया कि जो भी व्यक्ति उनके विरोधियों की सहायता करेगा, उसे रोहित गोदारा गैंग का दुश्मन माना जाएगा।

अमेरिका और कनाडा में बढ़ती गैंगवार

यह हमला अमेरिका और कनाडा में बढ़ती गैंग हिंसा की एक और कड़ी है। पिछले महीने रोहित गोदारा ने अपने प्रतिद्वंद्वी लॉरेंस बिश्नोई को गद्दार बताया था और आरोप लगाया था कि वह अमेरिकी एजेंसी से मिल गया है तथा संवेदनशील जानकारी साझा कर रहा है। एक अपुष्ट सोशल मीडिया पोस्ट में गोदारा ने दावा किया कि लॉरेंस और एक अमेरिकी एजेंसी के बीच सांठगांठ है। उसका कहना था कि लॉरेंस ने अपने भाई अनमोल को बचाने के लिए अमेरिकी एजेंसी से हाथ मिला लिया है और अब वह उन्हें देश के अंदर की सूचनाएँ दे रहा है। गोदारा ने यह भी आरोप लगाया कि बिश्नोई अभिनेता सलमान खान को नुकसान पहुँचाना चाहता है ताकि प्रसिद्धि हासिल कर सके। उसने मीडिया से अपील की कि उसे और उसके साथियों को लॉरेंस बिश्नोई के साथ न जोड़ा जाए, क्योंकि बिश्नोई "गद्दार" है। गोल्डी बराड़ और रोहित गोदारा को भारत की राष्ट्रीय जांच एजेंसी और कई राज्य पुलिस इकाइयाँ वांछित घोषित कर चुकी हैं। रिपोर्टों के अनुसार गोल्डी बराड़ अमेरिका में और रोहित गोदारा ब्रिटेन में छिपा हुआ है, जबकि लॉरेंस बिश्नोई इस समय गुजरात की जेल में बंद है।

जब सीमाएं ही खतरा बन जाएं

मुद्दा तत्काल

चंदन स्वप्निल
कार्यकारी संपादक

कनाडा के शांत पड़ोसों में एक बार फिर दक्षिण एशियाई समुदाय के लिए डर का सूरज उगा है। मशहूर पंजाबी गायक तेज़ी काहलों पर हुई हालिया गोलीबारी ने उस भयावह त्रिकोण की तरफ़ ध्यान खींचा है, जो अब सीमापार के गिरोह, स्थानीय नॉक-ऑन-इफेक्ट और डायस्पोरा की रोज़मर्रा ज़िन्दगी को एक साथ जोड़ रहा है। सोशल-मीडिया पर राजस्थान के कुख्यात गिरोह से जुड़ी हुई इकाइयों ने इस हमले की जिम्मेदारी लेने के दावे किए और आरोप लगाया कि काहलों ने विरोधी गुटों को फाइनेंस, हथियार और रेकी मुहैया कराई, साथ ही चेतावनी भी जारी की गई कि अगर सहयोग नहीं रुका तो अगला कदम और भी भयावह होगा। यह दावे अभी कई स्तरों पर जांच के अधीन हैं, पर उनकी भाषा ने समुदाय में खौफ को तुरंत गहरा कर दिया। यह कोई एकल घटना नहीं है। 2025 की दूसरी छमाही में ओंटारियो और ब्रिटिश कोलंबिया के कई शहरों मिसिसॉगा/ब्रैम्पटन, सरे/एबॉट्सफोर्ड में कुछ लक्षित शूटींग और हत्याओं की श्रृंखला सामने आई है। इनमें कुछ मामलों में स्थानीय व्यवसायी, रेस्तराँ मालिक और समुदाय के सक्रिय सदस्यों को निशाना बनाया गया। पुलिस जांचों में बार-बार ट्रांसनेशनल लिंक, एक्सटॉर्शन और गिरोह-आधारित टारगेटिंग की प्रवृत्ति उभर कर आई है, कुछ मामलों में गिरफ्तारी हुई तो कुछ अभी चल रही जाँच की पहुँच में हैं। यही कारण है कि तेज़ी काहलों के ऊपर लगी गोलीबारी की ख़बर भी केवल कलाकार पर हमला नहीं, बल्कि व्यापक वोल्टेज वाले संघर्ष का नया संकेत मान ली जा रही है। समस्यात्मक रूप से, ये घटनाएँ केवल अपराध के स्तर तक सीमित नहीं रुकतीं, वे स्थानीय सामाजिक ताने-बाने और व्यापारिक गतिशीलता को भी प्रभावित करती हैं। यही नहीं भारत के नए राजदूत दिनेश के पटनायक का डर भी जायज नजर आता है। डायस्पोरा के कई लोग यह बताते हैं कि गिरोह अक्सर पैसों, दबाव और धमकियों के जरिए समुदाय के कुछ हिस्सों में अपना प्रभाव जमाते हैं; जब स्थानीय लोग इन दबावों का विरोध करते हैं, तो उनका लक्ष्य बनना आम बात है। गिरोह के आदेश अक्सर सीमापार से आते हैं तबाही का निर्देशन, फंडिंग के चेन और राजनीतिक-निहित झगड़ों के कारण टकराव और भी विकराल रूप धारण कर लेते हैं। कनाडाई कानून-प्रवर्तन और फेडरल एजेंसियाँ इन ट्रांसनेशनल कड़ियों को काटने के प्रयास कर रही हैं। वित्तीय प्रतिबंध, संपत्ति सीज़, और कुछ मामलों में कठोर कानूनी परिभाषाओं के इस्तेमाल तक के विकल्प सक्रिय किए जा रहे हैं। पर जाँच और अभियोजन की धीमी गति तथा जटिल अंतरराष्ट्रीय कानूनी प्रक्रियाओं ने समुदाय के मन में यह धारणा पैदा कर दी है कि यहाँ हिंसा का कोई प्रतिरोधात्मक सुरक्षा जाल अभी पर्याप्त नहीं बन पाया है। तेज़ी काहलों पर हमले ने यह भी दिखाया कि कलाकार और सार्वजनिक-आइकन भी सुरक्षित नहीं रहे। कलाकारों की निजी जिंदगी, उनके संपर्क और उनका व्यवसाय कभी-कभी गुट-राजनीति या संदिग्ध वित्तीय लेन-देन के बीच आकर उन्हें टारगेट बना देता है और जब जिम्मेदारी लेने वाले पोस्ट सोशल मीडिया पर आने लगते हैं, तो भय का असर तेज़ी से फैलता है। इसका हल केवल पुलिस कार्रवाई तक सिमटकर नहीं रह सकता। समुदाय को सूचनाएँ स्थानीय अधिकारियों तक पहुंचाने के लिए प्रेरित करना होगा, नागरिक-सुरक्षा नेटवर्क मजबूत करने होंगे और व्यापारों को सुरक्षा गाइडलाइन्स व समर्थन प्रदान करना होगा। वहीं, सरकारों को ट्रांसनेशनल वित्तीय चैनलों की निगरानी तेज करनी होगी।

कनाडा में भारतीय सुरक्षित नहीं : नए हाई कमिश्नर दिनेश पटनायक तीखे सवाल

कनाडा में भारतीय समुदाय के खिलाफ बढ़ती असुरक्षा और हमलों के बीच भारत के नव नियुक्त उच्चायुक्त दिनेश के. पटनायक ने गंभीर चिंता जताई है। इस बाबत उन्होंने कहा कि कनाडा में रह रहे भारतीय नागरिक अब खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं, और यह स्थिति बेहद चिंताजनक है। दिनेश पटनायक ने कहा —"यह बेहद अजीब है कि मुझे खुद यहां सुरक्षा की ज़रूरत महसूस हो रही है। यह सिर्फ भारतीयों की नहीं, बल्कि कनाडा की भी समस्या है। कुछ कनाडाई समूह ऐसी परिस्थितियाँ बना रहे हैं जो दोनों देशों के संबंधों पर नकारात्मक असर डाल रही हैं।" पटनायक ने कट्टरपंथी समूहों पर परोक्ष निशाना साधा

उन्होंने बिना किसी संगठन का नाम लिए इस बात पर जोर देते हुए पटनायक ने कहा कि कुछ समूह ऐसे हैं जो कनाडा में भारतीयों को डराने-धमकाने का काम कर रहे हैं। उनका कहना था कि यह प्रवृत्ति न केवल भारतीय समुदाय के मनोबल को तोड़ रही है, बल्कि भारत-कनाडा संबंधों को भी कमजोर कर रही है। उन्होंने इस पर सवाल उठाया कि "इस तरह के खतरों से आखिर निपटा कैसे जाए?"

भारतीयों के निर्वासन के मामले बढ़े

रिपोर्टों के अनुसार, हाल के वर्षों में कनाडा से भारतीयों को देश छोड़ने के आदेश दिए जाने के मामले लगातार बढ़े हैं। वर्ष 2019 में 625 भारतीयों को कनाडा से निकाला गया था। 2024 में यह संख्या 1,997 तक पहुंच गई। जुलाई 2025 तक ही 1,891 भारतीयों को देश छोड़ने को कहा जा चुका है।

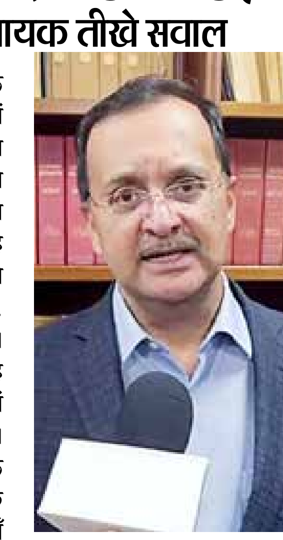

भारत के नए उच्चायुक्त दिनेश के. पटनायक

कनाडा की बॉर्डर सर्विस एजेंसी के आंकड़ों के अनुसार, यह संख्या इस साल पिछले साल के रिकॉर्ड को पार कर सकती है।

कनाडा की नई नीति और भारत संबंधों पर असर

विश्लेषकों का कहना है कि कनाडा अमेरिका की तरह कड़े एंटी-इमीग्रेशन कदम उठा रहा है। हाल ही में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा था कि सरकार "विदेशी अपराधियों को देश से बाहर निकालने की प्रक्रिया को तेज़ करने" की योजना पर काम कर रही है।

भारत-कनाडा कूटनीति में नया दौर

अगस्त 2025 में दोनों देशों ने नए उच्चायुक्तों की नियुक्ति की थी —भारत की ओर से दिनेश के. पटनायक को कनाडा भेजा गया, जबकि कनाडा की ओर से क्रिस्टोफर को भारत में उच्चायुक्त नियुक्त किया गया। दोनों देशों के बीच हाल ही में कूटनीतिक तनाव बढ़ा है, खासकर खालिस्तानी गतिविधियों और प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा के मुद्दे को लेकर।

• बिना कारण बताए वापस भेजा गया, दोस्तों से मिलने आई थी

भारत में प्रवेश से रोकी गईं हिंदी की विद्वान फ्रांचेस्का ऑर्सीनी

एजेंसी। नई दिल्ली

हिंदी भाषा की विश्व-प्रसिद्ध विद्वान और लंदन विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ़ ओरिएंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज़ की प्रोफेसर एमेरिटा फ्रांचेस्का ऑर्सीनी को 20 अक्तूबर की रात भारत में प्रवेश से रोक दिया गया, जबकि उनके पास पाँच साल का वैध ई-वीज़ा था। दिल्ली हवाईअड्डे पर उन्हें रोककर वापस भेज दिया गया। यह घटना उस समय हुई जब वे हांगकांग से दिल्ली लौटी थीं। ऑर्सीनी हाल ही में चीन में एक अकादमिक सम्मेलन में शामिल होकर वापस आ रही थीं। ऑर्सीनी ने एक पोर्टल से बातचीत में कहा, कि उन्हें किसी कारण की जानकारी नहीं दी गई। बस बताया गया कि मुझे भारत से वापस भेजा जा रहा है। लंदन में रहने वाली ऑर्सीनी ने बताया कि उन्हें अपनी वापसी यात्रा का इंतज़ाम खुद करना पड़ा। वह आख़िरी बार अक्तूबर 2024 में भारत आई थीं और इस बार केवल अपने पुराने मित्रों से मिलने का इरादा रखती थीं।

फ्रांचेस्का ऑर्सीनी

हिंदी अध्ययन की प्रमुख हस्ती

फ्रांचेस्का ऑर्सीनी का नाम हिंदी अध्ययन और उपनिवेशोत्तर भाषा-चर्चा की प्रमुख विद्वानों में गिना जाता है। फ्रांचेस्का ऑर्सीनी ऐसी चौथी विदेशी विद्वान हैं, जिन्हें वैध वीज़ा होने के बावजूद भारत में प्रवेश नहीं करने दिया गया। पिछले कुछ वर्षों में कई विदेशी शोधकर्ताओं को बिना किसी स्पष्ट कारण के एयरपोर्ट पर रोककर वापस भेजा गया है। मार्च 2022: ब्रिटिश मानवविज्ञानी फिलिपो ओसेला को तिरुवनंतपुरम में रोककर वापस भेजा गया। 2022: ब्रिटिश आर्किटेक्चर विशेषज्ञ लिंडसे ब्रीम्नर को बिना स्पष्टीकरण देश से निकाल दिया गया। फरवरी 2024: ब्रिटेन स्थित कश्मीरी अकादमिक निताशा कौल को बेंगलुरु एयरपोर्ट पर रोका गया, जबकि वे कर्नाटक सरकार के निमंत्रण पर एक सम्मेलन में भाग लेने आई थीं। बाद में उनका ओसीआई कार्ड भी रद्द कर दिया गया। स्वीडन में रहने वाले अकादमिक अशोक स्वेन का भी ओसीआई कार्ड इसी आधार पर रद्द किया गया था, हालांकि बाद में दिल्ली हाईकोर्ट से उन्हें राहत मिली। इन घटनाओं ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ा दी है। विदेशी शिक्षाविदों का कहना है कि इस तरह की अनिश्चित और अस्पष्ट 'डीपोर्टेशन नीति' भारत में शैक्षणिक संवाद की स्वतंत्रता पर असर डाल रही है। 2021 में, जब कोविड महामारी के कारण अंतरराष्ट्रीय यात्रा लगभग ठप थी, तब केंद्र सरकार ने विदेशी विद्वानों को ऑनलाइन सेमिनारों में शामिल करने पर भी पाबंदी लगाने की कोशिश की थी। यह प्रावधान केवल उन्हीं को शामिल करने की अनुमति देता था, जिन्हें पहले से राजनीतिक मंजूरी प्राप्त हो।

घटती शैक्षणिक स्वतंत्रता

फ्रांचेस्का ऑर्सीनी को रोकने की यह घटना ऐसे समय में सामने आई है, जब एक हालिया वैश्विक रिपोर्ट में भारत को उन देशों की सूची में रखा गया है, जहाँ अकादमिक स्वतंत्रता में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि विश्वविद्यालयों और राजनीतिक समूहों के बढ़ते नियंत्रण ने शिक्षकों और शोधकर्ताओं की अभिव्यक्ति की आज़ादी को सीमित कर दिया है।

डॉक्टर की वर्षों की लड़ाई रंग लाई, एफएसएसएआई ने भ्रामक 'ओआरएस' पेयों पर लगाई रोक

डॉ. सिवरंजनी की पहल से उपभोक्ता सुरक्षा को मिला बड़ा बल

एजेंसी। नई दिल्ली

एक डॉक्टर की लगभग एक दशक लंबी कानूनी जंग के बाद अब देश में भ्रामक "ओआरएस" पेयों पर रोक लग गई है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने आदेश जारी कर कहा है कि कोई भी फूड ब्रांड अपने उत्पाद पर "ओआरएस" या "ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्ट्स" शब्द का उपयोग नहीं कर सकेगा, जब तक कि उसका फॉर्मूलेशन विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के निर्धारित मानकों के अनुरूप न हो। यह फैसला हैदराबाद की बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. सिवरंजनी संतोष की वर्षों की मेहनत और कानूनी संघर्ष का परिणाम है। उन्होंने उन पेयों के खिलाफ आवाज उठाई थी, जो अत्यधिक शुगर युक्त होने के बावजूद खुद को "ओआरएस" बताकर बेचे जा रहे थे, जिससे उपभोक्ता भ्रमित हो रहे थे। एफएसएसएआई ने जारी आदेश में पुराने दिशा-निर्देशों 14 जुलाई 2022 और 2 फरवरी 2024 — को भी रद्द कर दिया है, जिनमें 'ओआरएस' शब्द को ब्रांड नाम के हिस्से के रूप में सीमित शर्तों के तहत प्रयोग की अनुमति दी गई थी। अब ऐसा कोई भी उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। एफएसएसएआई ने एक स्पष्टीकरण जारी कर स्पष्ट किया कि किसी भी फल-आधारित, गैर-कार्बोनेटेड या रेडी-टू-ड्रिंक पेय में 'ओआरएस' शब्द का प्रयोग खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 का उल्लंघन माना जाएगा। नियामक संस्था ने कहा कि ऐसी लेबलिंग उपभोक्ताओं को भ्रमित करती है और "भ्रामक, अस्पष्ट तथा त्रुटिपूर्ण" है। डॉ. सिवरंजनी ने वर्ष 2022 में तेलंगाना हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दाखिल की थी, जिसमें कहा गया था कि बाजार में उपलब्ध कई पेय उत्पाद ओआरएस के नाम पर बेचे जा रहे हैं, जबकि उनमें डब्लूएचओ द्वारा निर्धारित इलेक्ट्रोलाइट और ग्लूकोज स्तर नहीं होते। उनकी इस पहल ने न केवल खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में एक नई मिसाल कायम की है, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया है कि भविष्य में ओआरएस जैसी चिकित्सा श्रेणी के शब्दों का दुरुपयोग कर उपभोक्ताओं को गुमराह नहीं किया जा सकेगा।

फ्री इंटरनेट मिलता है बॉर्डर के सिर्फ इस गांव में

दीवारों पर लिखे हैं पासवर्ड, सरपंच सरोज की सोच ने ऐसे बदली किस्मत

समर न्यूज़। पठानकोट

भारत-पाकिस्तान सीमा के पास स्थित पठानकोट जिले का गांव रामकलवां। ये गांव कभी मोबाइल नेटवर्क के लिए तरसा करता था। लोगों को फोन पर बात करने के लिए खेतों या ऊंची जगहों पर जाना पड़ता था। लेकिन अब वही गांव मुफ्त वाई-फाई वाला पहला गांव बन गया है। यहां पासवर्ड भी दीवारों पर लिखे हुए हैं, ताकि कोई भी आसानी से कनेक्ट हो सके।

गांव की सरपंच सरोज कुमारी, जो पहले शिक्षा विभाग में क्लर्क थीं, रिटायरमेंट के बाद गांव के विकास की जिम्मेदारी निभा रही हैं। उन्होंने बताया, "हमारे गांव में नेटवर्क की बहुत बड़ी समस्या थी। बच्चों की ऑनलाइन कक्षाएं होती थीं, लेकिन इंटरनेट नहीं चलता था। कोरोना काल में यह दिक्कत और बढ़ गई। तभी मन में विचार आया कि इसका स्थायी समाधान निकालना चाहिए।"

सरपंच बनने के बाद, सरोज कुमारी ने बीएसएनएल के अधिकारियों से बात की और 'विद्या मित्रम' योजना के तहत गांव में वाई-फाई लगवाने की पहल की। गांव में करीब 150 घर हैं। हर घर तक इंटरनेट पहुंचाने के लिए बीएसएनएल ने तीन कनेक्शन लगाए हैं। सरपंच ने बताया कि वाई-फाई की पूरी लागत पंचायत भूमि के ठेके से होने वाली आमदनी से दी जा रही है। उन्होंने कहा, "पंचायत का पैसा गांव वालों का ही है, इसलिए उसी से गांव के लोगों को यह सुविधा दी गई।"

अब बच्चों की पढ़ाई हुई आसान

रामकलवां के छात्र अब बिना किसी परेशानी के ऑनलाइन पढ़ाई कर सकते हैं। बच्चों ने बताया कि पहले पढ़ाई करना मुश्किल था, लेकिन अब वाई-फाई आने के बाद सब कुछ आसान हो गया है। उन्होंने कहा "हमारी सरपंच मैडम सरकारी नौकरी से रिटायर हुई हैं, इसलिए उन्हें पता है कि आज के समय में इंटरनेट पढ़ाई के लिए कितना जरूरी है। हमें अपने गांव पर गर्व है कि पंजाब में हमारा नाम सबसे पहले आता है जहां मुफ्त वाई-फाई है। बीएसएनएल के डिप्टी जनरल मैनेजर बलबीर सिंह ने बताते हैं कि इस सीमांत क्षेत्रीय गांव में सिग्नल की वॉल्यूम सीमित रखनी पड़ी ताकि नेटवर्क सीमा पार न जाए। इसके बावजूद बीएसएनएल ने पूरा सहयोग दिया। यह सिर्फ पठानकोट नहीं, बल्कि पूरे पंजाब का पहला सफल उदाहरण है। बॉर्डर इलाका होने के कारण हमें कई तकनीकी दिक्कतों का सामना करना पड़ा, लेकिन सरपंच सरोज कुमारी का इरादा तगड़ी सोच वाला था। आज रामकलवां पंजाब का पहला ऐसा गांव बन गया है जहां हर घर में मुफ्त इंटरनेट उपलब्ध है। कई अन्य गांवों के सरपंच अब सरोज कुमारी से संपर्क कर रहे हैं ताकि इस मॉडल को अपने गांव में भी लागू किया जा सके।

» शादी में मेहमानों को मिले नकद तोहफे, पुलिस ने शुरू की जांच

74 का दूल्हा और दुल्हन 24 की, दहेज में दिए 1.8 करोड़

एजेंसी। इंडोनेशिया

कांगड़ा जिले में बीड़-बिलिंग से इंडोनेशिया में एक 74 वर्षीय बुजुर्ग और 24 वर्षीय युवती की शादी ने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। इस अनोखे विवाह में बुजुर्ग दूल्हे ने दावा किया है कि उसने अपनी दुल्हन को लगभग 1.8 करोड़ रुपए (तीन अरब इंडोनेशियाई रुपिया) का 'ब्राइड प्राइस' (दहेज) दिया है। दोनों की उम्र में पूरे 50 साल का अंतर होने के कारण यह शादी देशभर में चर्चा का विषय बन गई है।यह विवाह 1 अक्टूबर को पूर्वी जावा के पचितन रीजेंसी में हुआ। दूल्हे का नाम तारमान और दुल्हन का नाम शेला अरिका बताया गया है। शादी के दौरान तारमान ने मंच से ही तीन अरब रुपिया दहेज देने की घोषणा की।

स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस भव्य समारोह में मेहमानों को पारंपरिक उपहारों की जगह 100,000 इंडोनेशियाई रुपिया (लगभग 6,000 रुपए) नकद दिए गए। शुरुआत में कहा गया था कि दहेज की रकम एक अरब रुपिया (करीब 60 लाख रुपए) होगी, लेकिन शादी के दौरान इसे अचानक तीन अरब रुपिया (लगभग 1.8 करोड़ रुपए) घोषित कर दिया गया। फ़ोटोग्राफ़ी कंपनी की शिकायत के बाद स्थानीय पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। सोशल मीडिया पर इस शादी में दिए गए दहेज की वास्तविक राशि और चेक की प्रामाणिकता पर भी सवाल उठ रहे हैं।

दूल्हे का बयान "हम साथ हैं, भागे नहीं; दहेज असली है" विवाद बढ़ने के बाद दूल्हे तारमान ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी किया। उन्होंने कहा "मैंने अपनी पत्नी को नहीं छोड़ा है।

हम अब भी साथ हैं। तीन अरब रुपिया का दहेज असली है और यह बैंक सेंट्रल एशिया द्वारा सत्यापित है। दुल्हन के परिवार ने भी स्पष्ट किया कि दोनों हनीमून पर गए हैं, न कि भागे हैं।

पूर्व सरपंच ने आप महिला पंचायत सदस्य को मारी गोली

» पटाखों और डीजे को लेकर हुआ था झगड़ा

समर न्यूज | तरनतारन

पंजाब के तरनतारन विधानसभा क्षेत्र के धांगना गांव से एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। गांव के पूर्व कांग्रेसी सरपंच सुखविंदर सिंह ने आम आदमी पार्टी (आप) की महिला पंचायत सदस्य मंदीप कौर की गोली मारकर हत्या कर दी।

जानकारी के मुताबिक, यह घटना बीती रात की है। गांव में एक समारोह के दौरान पटाखों और डीजे को लेकर दोनों पक्षों में झगड़ा हो गया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्से में आकर सुखविंदर सिंह ने मंदीप कौर पर गोली चला दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने बताया कि मंदीप कौर अपने समाजसेवी स्वभाव और पंचायत में सक्रिय भूमिका के लिए जानी जाती थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पूर्व सरपंच सुखविंदर सिंह और उसके भाई लखविंदर सिंह के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। दोनों आरोपी फिलहाल फरार हैं। पुलिस की टीमें उनकी तलाश में जुटी हुई हैं। तरनतारन पुलिस का कहना है कि आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच जारी है।

कैबिनेट मंत्री सौंद ने लोगों से भगवान विश्वकर्मा जी द्वारा दिखाए मार्ग पर चलने की अपील की

चंडीगढ़/ लुधियाना
समर न्यूज

कैबिनेट मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने बुधवार को कहा कि भगवान विश्वकर्मा जी को धरती पर शिल्पकला, वास्तुकला और इंजीनियरिंग के सृजन का जनक माना जाता है।

विश्वकर्मा दिवस मनाने के लिए लुधियाना स्थित भगवान विश्वकर्मा मंदिर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित करते हुए सौंद ने कहा कि वैश्विक औद्योगिक और बुनियादी ढांचे का विकास भगवान विश्वकर्मा के आशीर्वाद का परिणाम है। मंत्री ने आगे बताया कि पंजाब सरकार राज्यभर के युवाओं के लिए कौशल विकास पर विशेष ध्यान केंद्रित कर रही है, ताकि उन्हें भगवान विश्वकर्मा के सिद्धांतों और शिक्षाओं के अनुरूप सम्मानजनक और आत्मनिर्भर जीवन जीने योग्य बनाया जा सके। भगवान विश्वकर्मा को ब्रह्मांड के सर्वोच्च शिल्पकार के रूप में सम्मानित किया जाता है, जिन्हें औद्योगिक प्रक्रियाओं में प्रयुक्त की जाने वाली सभी मशीनरी और उपकरणों के स्वामी के रूप में जाना जाता है।

लोगों को भगवान विश्वकर्मा की शिक्षाओं का पालन करने के लिए प्रेरित करते हुए सौंद ने कहा कि राज्यभर में कौशल विकास को बढ़ावा देना भगवान विश्वकर्मा को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

मंत्री ने शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों में सरकार की परिवर्तनकारी पहलों का भी उल्लेख किया, जो सभी के लिए सुलभ और उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं सुनिश्चित करती हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब के युवाओं को 55,000 सरकारी नौकरियां पारदर्शी तरीके से दी गई हैं, 90 प्रतिशत निवासियों के बिजली बिल शून्य हैं और राज्य के सभी 13,246 गांवों को अगले छह महीनों में 3,100 उच्च स्तरीय खेल मैदानों तक पहुंच मिल जाएगी।

सौंद ने राष्ट्रीय सुरक्षा में पंजाब के महत्वपूर्ण योगदान की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत की आबादी का केवल 1.5 प्रतिशत होने के बावजूद, देश की सुरक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने में पंजाब अग्रणी रहा है। इसके साथ ही उन्होंने नशा विरोधी अभियान "युद्ध नशों विरुद्ध" की सफलता पर भी प्रकाश डाला।

विधायक अशोक पराशर पप्पी, विधायक कुलवंत सिंह सिद्धू, विधायक मदन लाल बग्गा और मेयर प्रिंसिपल इंदरजीत कौर ने भी विश्वकर्मा दिवस पर लोगों को शुभकामनाएं दीं।

मंदिर समिति के प्रधान रंजीत कुमार सल्ल ने राज्य सरकार से अपील की कि मंदिर की इमारत के लंबित सिविल कार्यों को पूरा करने के लिए आवश्यक धनराशि जारी की जाए। इस पर मंत्री सौंद ने मंदिर के लिए 10 लाख रुपये की अनुदान राशि देने की घोषणा की और लंबित सिविल कार्यों को पूरा करने में पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया। उन्होंने जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीनें भी वितरित कीं।

इस अवसर पर मंत्री ने चरणजीत सिंह विश्वकर्मा, इंदरजीत सिंह सोहल, अमरजीत सिंह, राजिंदर सिंह सरहाली, रंजीत सिंह मथारू, अशोक कांडा, सुरजीत कांडा, सुरजीत सिंह, करण अरोड़ा, एडवोकेट मनरीत सिंह नागरा और अन्य कई प्रमुख उद्योगपतियों को सम्मानित भी किया।

तस्करी मॉड्यूल से जुड़े चार व्यक्ति 4 अत्याधुनिक पिस्तौलों सहित गिरफ्तार

» गिरफ्तार किये आरोपी पाक-आधारित तस्कर के निर्देशों पर काम कर रहे थेः डीजीपी गौरव यादव

समर न्यूज | चंडीगढ़/अमृतसर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाई गई मुहिम के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) अमृतसर ने चार मुख्य गुर्गों को गिरफ्तार कर सीमा पार से चल रहे तस्करी नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। इस दौरान उनके कब्जे में से चार आधुनिक .30 बोर स्टार मार्क पिस्तौलों के साथ-साथ गोला-बारूद भी बरामद किए गए हैं। यह जानकारी पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने यहां दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान तरनतारन के जुगराज सिंह उर्फ चिरी निवासी गांव भगवाणपुरा, कुलबीर सिंह उर्फ नन्नू उर्फ कालू निवासी गांव दलीरी, अरशदीप सिंह निवासी गांव दलीरी और नछत्तर सिंह निवासी गांव दयालपुर के रूप में हुई है। यह कार्रवाई, एसएसओसी अमृतसर द्वारा पांच व्यक्तियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चार ग्लॉक पिस्तौल और 2 किलो हेरोइन बरामद कर इसी प्रकार के एक तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किए जाने के उपरांत सामने आई है।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी पाकिस्तान-आधारित तस्कर के निर्देशों पर काम कर रहे थे, जो ड्रोन के माध्यम से सीमा पार से हथियारों की आपूर्ति की व्यवस्था कर रहा था। उन्होंने बताया कि इस मामले में और भी संबंधों का पता लगाने के लिए आगे जांच जारी है ताकि पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश कर इसे पूरी तरह खत्म किया जा सके।

एआईजी एसएसओसी अमृतसर सुखमिंदर सिंह मान ने कार्रवाई संबंधी जानकारी देते हुए कहा कि कुछ व्यक्तियों द्वारा हथियारों की खेप प्राप्त किए जाने संबंधी पुख्ता सूचना पर कार्यवाही करते हुए एसएसओसी अमृतसर की पुलिस टीमों ने चारों संदिग्धों के पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

एआईजी ने कहा कि यह भी पता लगा है कि मुख्य आरोपी जुगराज सिंह को पहले भी जून 2025 में नशा संबंधी मामले में गिरफ्तार किया गया था और उसने लगभग दो महीने जेल में बिताए थे। उन्होंने आगे कहा कि गिरफ्तार व्यक्तियों को कानूनी कार्रवाई के अनुसार अदालत में पेश किया जाएगा।

इस संबंध में थाना एसएसओसी अमृतसर में आर्म्स एक्ट की धारा 25 और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 61(2) के तहत एफआईआर नंबर 62 दिनांक 21.10.2025 को केस दर्ज किया गया है।

अब तक 4.32 लाख से अधिक किसानों को एम.एस.पी. का लाभ मिला

समर न्यूज | चंडीगढ़

धान के खरीद सीज़न को सुचारू बनाने के लिए कोई कसर बाकी न छोड़ते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दूरदर्शी नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा अपनाई गई सक्रिय पहल के चलते 21 अक्टूबर तक 4,32,458 किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) का लाभ मिला है।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री लाल चंद कटारूचक्क के नेतृत्व में खरीद, लिफ्टिंग और भुगतान पूरी तेजी से जारी हैं। अब तक 57,546 किसानों को एम.एस.पी. का लाभ मिलने के साथ पटियाला ज़िला सबसे आगे है। वहीं, बाढ़ से प्रभावित तरनतारन में 38,578 किसानों को लाभ मिलने के साथ यह दूसरे स्थान पर है और फिरोजपुर 35,501 किसानों के साथ तीसरे स्थान पर है।

उल्लेखनीय है कि 21 अक्टूबर शाम तक राज्यभर की मंडियों में कुल 58,40,618.72 मीट्रिक टन धान की आमद हुई है। इनमें से 56,04,976.76 मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है और इस तरह यह आंकड़ा 95 प्रतिशत बनता है। गौरतलब है कि अब तक 39,85,173.28 मीट्रिक टन धान की लिफ्टिंग हो चुकी है, जो कुल खरीदी गई फसल का लगभग 71 प्रतिशत है।

श्री गुरु तेग बहादुर जी का 350वां शहीदी दिवस

25 अक्टूबर को पंजाब के मुख्यमंत्री, सभी कैबिनेट मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी गुरुद्वारा श्री सीस गंज साहिब में होंगे नतमस्तकः सौंद

» गुरुद्वारा श्री सीस गंज साहिब में अरदास के साथ शुरू होंगे श्रृंखलाबद्ध समागम

समर न्यूज | चंडीगढ़

पंजाब के पर्यटन एवं सांस्कृतिक मामलों के मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को बड़े स्तर पर मनाने के लिए राज्यभर में श्रृंखलाबद्ध कार्यक्रम आयोजित कर रही है। इन कार्यक्रमों की शुरुआत 25 अक्टूबर को नई दिल्ली स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री सीस गंज साहिब में अरदास के साथ की जाएगी।

उन्होंने बताया कि नौवें पातशाह के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित आयोजनों की शुरुआत के अवसर पर मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान, कैबिनेट के सभी मंत्री और अन्य वरिष्ठ अधिकारी गुरुद्वारा श्री सीस गंज साहिब में मत्था टेकेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान भाई मती दास जी, भाई सती दास जी और भाई दयाला जी के शहीदी स्थलों पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

सौंद ने आगे बताया कि 25 अक्टूबर की शाम गुरुद्वारा श्री रकाब गंज साहिब में विशाल कीर्तन दरबार का आयोजन किया जाएगा और गुरु साहिब के जीवन, उपदेशों एवं दर्शन को लोगों तक पहुँचाने के लिए पूरे महीने भर बड़े पैमाने पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक अवसर पर पंजाब सरकार द्वारा खालसा की पवित्र भूमि श्री आनंदपुर साहिब के कायाकल्प के लिए बड़े कार्य शुरू किए गए हैं और हाल ही में भाई जैता जी की स्मृति में इतिहास को मूर्त रूप देने वाली पाँच गैलरियाँ मानवता को समर्पित की गई हैं। इस स्मारक का कुल क्षेत्र 5 एकड़ है, जिसमें से लगभग 2 एकड़ क्षेत्र आच्छादित(कवर्ड) है और निर्माण(कंस्ट्रक्शन) क्षेत्र लगभग 3200 वर्ग फुट है।

उन्होंने आगे कहा कि शहीदी दिवस से जुड़े कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में 19 नवंबर से 22 नवंबर तक 4 नगर कीर्तन सजाए जाएँगे, जिनकी शुरुआत श्रीनगर से होगी।

अमृतसर में निहंग सिखों ने पारंपरिक मोहल्ला निकाला

» घोड़ों, ऊंटों पर सवार होकर दिखाए करतब - वीर परंपरा की झलक

समर न्यूज | अमृतसर

बंदी छोड़ दिवस के अवसर पर आज अमृतसर के एक ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब के ग्राउंड में निहंग जत्थेबंदियों द्वारा पारंपरिक "मोहल्ला" निकाला गया। इस आयोजन में पुरातन मर्यादा के अनुसार निहंग सिखों ने घोड़ों पर सवार होकर अपनी शस्त्र कला और वीर परंपरा का शानदार प्रदर्शन किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में निहंग सिख शामिल हुए। हाथियों, घोड़ों और ऊंटों पर सवार होकर निहंग जत्थेबंदियों के मुखिया - संत बाबा बलबीर सिंह 96 करौड़ी, तरना दल, विधि चंद दल और अन्य जत्थेबंदियों के प्रमुख - इस पारंपरिक मोहल्ला में पहुंचे।

घुड़सवारी में दिखी निहंगों की शौर्य परंपरा

इस अवसर पर निहंग सिखों ने घोड़ों पर सवार होकर विभिन्न करतब दिखाए। तेज रफ्तार में घुड़सवारी, शस्त्र प्रदर्शन और पारंपरिक युद्ध कौशल देखकर संगत उत्साहित हो उठी। यह मोहल्ला हर साल दिवाली के अगले दिन मनाया जाता है, जो सिख परंपरा का अहम हिस्सा है।

क्या होता है 'मोहल्ला'?

'मोहल्ला' दरअसल नगर कीर्तन का वह रूप है जिसमें निहंग सिख - जिन्हें 'गुरु की लाडली फौज' कहा जाता है - अपने शस्त्र कौशल, वीरता और परंपरा का प्रदर्शन करते हैं। यह सिर्फ धार्मिक शोभा यात्रा नहीं बल्कि सिख गौरव और इतिहास की जीवंत झांकी भी होती है।

शस्त्र विद्या - सिख धर्म की आत्मा

निहंगों का मानना है कि गुरु गोबिंद सिंह ने शस्त्र विद्या को सिख धर्म का अभिन्न हिस्सा बनाया था। उसी परंपरा को आज भी मोहल्ला के जरिए जिंदा रखा गया है। इस अवसर पर बुड्ढा दल के मुखी ने सभी जत्थेबंदियों का धन्यवाद किया और संगत को बंदी छोड़ दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा - "यह आयोजन न सिर्फ धर्म की सेवा है बल्कि हमारी परंपरा को अगली पीढ़ियों तक पहुंचाने का जरिया भी है।"

पूरे मार्ग पर लगा लंगर, गूंजे जयकारे नगर कीर्तन के मार्ग में जगह-जगह पर लंगर सेवा का आयोजन हुआ। श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक इसमें भाग लिया। पूरा वातावरण 'बोले सो निहाल... सत श्री अकाल!' के जयकारों से गूंजता रहा। यह आयोजन निहंग परंपरा, श्रद्धा और सिख शौर्य की जीवंत मिसाल बन गया।

गत्त दो वर्षों की तुलना में पराली 4 गुणा कम जली

» विशेष डीजीपी अर्पित शुक्ला द्वारा किसानों से सहयोग करने और फसल अवशेष न जलाने की अपील

समर न्यूज | चंडीगढ़

राज्य में पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए सिविल प्रशासन और पंजाब पुलिस द्वारा किए जा रहे लगातार और सक्रिय प्रयासों के सकारात्मक परिणामस्वरूप, इस वर्ष पंजाब में पिछले दो वर्षों की तुलना में खेतों में पराली जलाने की घटनाओं में लगभग चार गुना कमी दर्ज की गई है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 15 सितंबर से 21 अक्टूबर 2025 तक, पंजाब में केवल 415 पराली जलाने के मामले दर्ज किए गए हैं। जबकि वर्ष 2024 और 2023 में क्रमशः 1,510 और 1,764 मामले दर्ज हुए थे, जो इस वर्ष पराली जलाने की घटनाओं में चौंकाने वाली गिरावट को दर्शाते हैं।

उल्लेखनीय है कि माननीय सुप्रीम कोर्ट और वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सी.ए.क्यू.एम.) के पराली जलाने के मामलों को शून्य तक लाने के निर्देशों की पालना करते हुए, पंजाब पुलिस के महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव और विशेष डीजीपी (कानून-व्यवस्था) अर्पित शुक्ला स्वयं इस अभियान की निगरानी कर रहे हैं। डीजीपी पंजाब राज्य में पराली जलाने की घटनाओं की दैनिक समीक्षा के लिए सभी वरिष्ठ अधिकारियों, रेंज अधिकारियों, सीपीज़/एसएसपीज़ और थाना प्रभारी (एसएचओज) के साथ बैठकें कर रहे हैं।

विशेष डीजीपी अर्पित शुक्ला ने कहा कि सिविल प्रशासन के साथ मिलकर पुलिस टीमें राज्यभर में पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए जमीनी स्तर पर निरंतर प्रयास कर रही हैं। उन्होंने बताया कि डीसी/एसएसपीज़ और एसडीएम/डीएसपी उन गांवों में संयुक्त दौरे कर रहे हैं जिन्हें पराली जलाने के हॉटस्पॉट के रूप में चिन्हित किया गया है। इसके अलावा, जिला और उपमंडल स्तर पर किसानों और किसान यूनियनों के साथ जागरूकता बैठकें भी आयोजित की जा रही हैं।

पिछले कुछ दिनों में डिप्टी कमिश्नरों/एसएसपी द्वारा 251 संयुक्त दौरे और एसडीएम/डीएसपी द्वारा 790 संयुक्त दौरे किए गए। इन दौरों के दौरान 2,381 जन-जागरूकता बैठकों और 1,769 किसान बैठकों का आयोजन किया गया। साथ ही, पुलिस स्टेशन स्तर पर 'पराली प्रोटेक्शन फोर्स' का गठन भी किया गया है, जो किसानों को फसल अवशेष जलाने के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूक करने के साथ-साथ सतर्कता भी बनाए हुए है।

विशेष डीजीपी ने बताया कि पराली जलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की जा रही है। अब तक, पंजाब रिमोट सेंसिंग सेंटर (पीएसआरसी) द्वारा 415 खेतों में आग लगने की पुष्टि की गई है और संयुक्त टीमों को मौके पर जांच के लिए भेजा गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीमों ने 172 मामलों में एफआईआर दर्ज, 189 मामलों में जुर्माना किया गया है और 165 किसानों के राजस्व रिकॉर्ड में लाल प्रविष्टियां (रैड एंट्रियां) की गई हैं।

विशेष डीजीपी ने किसानों से सहयोग करने और फसल अवशेष न जलाने की अपील करते हुए कहा कि ऐसा करने से न केवल पर्यावरण प्रदूषित होगा, बल्कि बच्चों के स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ेगा।

तरनतारन उप चुनाव

नामांकन पत्रों की जांच के बाद 6 उम्मीदवारों के कागज़ रद्द

हरजीत मठारू | चंडीगढ़
समर न्यूज

पंजाब विधानसभा की 21-तरन तारन सीट के लिए नामांकन पत्रों की जांच के बाद 6 उम्मीदवारों के नामांकन पत्र रद्द कर दिए गए हैं।

पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि 21-तरन तारन सीट के उप चुनाव के लिए बुधवार को नामांकन पत्रों की जांच के बाद छह उम्मीदवारों के कागज़ रद्द कर दिए गए।

उन्होंने बताया कि 4 कवरिंग उम्मीदवारों और 2 आज़ाद उम्मीदवारों के नामांकन पत्र रद्द किए गए हैं।

चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों और नियमों के अनुसार, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से कवरिंग उम्मीदवार लीना संधू, शिरोमणि अकाली दल से कवरिंग उम्मीदवार कंचनप्रीत कौर, भारतीय जनता पार्टी से कवरिंग उम्मीदवार सुच्चा सिंह, तथा आप (आम आदमी पार्टी) से कवरिंग उम्मीदवार राजेश वालिया के नामांकन पत्र रद्द कर दिए गए हैं। इसके अलावा, दो आज़ाद उम्मीदवार, लक्खा सिंह और संजीव सिंह के नामांकन पत्र भी चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार सही नहीं पाए गए।

उन्होंने आगे बताया कि 24 अक्टूबर तक नामांकन पत्र वापस लिए जा सकते हैं। इसके बाद यह स्पष्ट हो जाएगा कि 21-तरन तारन सीट के उप चुनाव के लिए कुल कितने उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं।

धनतेरस पर देशभर में 1 लाख करोड़ की खरीदारी

» चांदी ने मारी बाज़ी, सोने की कीमत छूई आसमान

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

इस बार धनतेरस पर देशभर के बाजारों में ऐसी चकाचौंध देखने को मिली जैसी पिछले कई वर्षों में नहीं देखी गई। सोने और चांदी की ऐतिहासिक ऊंचाई के बावजूद उपभोक्ताओं ने जमकर खरीदारी की। कुल मिलाकर देशभर में लगभग 1 लाख करोड़ रुपये का व्यापार हुआ। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के अनुसार, केवल सोने और चांदी की बिक्री ही 60,000 करोड़ के पार पहुंच गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 25 प्रतिशत अधिक है।

सोने-चांदी की कीमतें रिकॉर्ड पर

धनतेरस के दिन सोने की कीमत 1,32,000 प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गई। अब तक काये सबसे ऊंचा स्तररहा है। वहीं, चांदी ने भी नए शिखर छुए और 1,80,000 प्रति किलोग्राम के स्तर तक पहुंच गई, जो करीब 55 प्रतिशत की सालाना वृद्धि है। फिर भी बाजारों में खरीदारी का उत्साह कम नहीं हुआ। प्रमुख शहरों के साथ-साथ छोटे कस्बों में भी ज्वेलरी शोरूम्स पर भारी भीड़ रही। सीएआईटी के ज्वेलरी विंग के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज अरोड़ा ने बतायाकिदिल्ली के सर्राफा बाजारों में दो दिनों के भीतर 10,000 करोड़ से अधिक की बिक्री दर्ज की गई। उपभोक्ताओं में निवेश और धार्मिक आस्था दोनों का मिश्रण देखने को मिला।

चांदी के सिक्कों और पूजन सामग्री की चमक

इस बार असली "धन" चांदी ने कमाया। ऊंचे सोने के दामों के चलते चांदी के सिक्कों और पूजन सामग्री की बिक्री में 35-40 प्रतिशत तक उछाल देखने को मिला। ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डोमेस्टिक काउंसिल के अध्यक्ष ने कहाकिचांदी इस बार निवेशकों की पहली पसंद बनी है। कीमत अपेक्षाकृत कम होने के कारण यह 'वैल्यू फॉर मनी' विकल्प साबित हुई। औसत लेन-देन मूल्य में 20-25 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई, खासकर टियर-2 और टियर-3 शहरों में।

सिर्फ ज्वेलरी नहीं, बाकी चीज़ों की भी रही जोरदार बिक्री

धनतेरस का उत्सव सिर्फ सोना-चांदी तक सीमित नहीं रहा।

बर्तनों की बिक्री: 15,000 करोड़

इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल सामान: 10,000 करोड़

सजावटी व धार्मिक सामग्री: 3,000 करोड़

बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि यह खरीदारी न सिर्फ उपभोक्ता विश्वास का संकेत है, बल्कि त्योहारी सीजन में आर्थिक गतिविधियों की मजबूत वापसी को भी दर्शाती है।

धनतेरस 2025 बना 'रिकॉर्ड तोड़ त्यौहार'

उच्च महंगाई, बढ़ती ब्याज दरों और वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के बावजूद भारतीय उपभोक्ताओं ने इस धनतेरस पर जोश और विश्वास का अनोखा संदेश दिया है।

एक दुकानदार ने मुस्कुराते हुए कहाकिकीमतें चाहे जितनी भी बढ़ जाएं, धनतेरस पर खरीदारी की परंपरा कोई नहीं तोड़ सकता। सोना-चांदी सिर्फ निवेश नहीं, भावनाओं का प्रतीक है।

केरल में राष्ट्रपति मुर्मू के हेलिकॉप्टर की लैंडिंग में तकनीकी दिक्कत

एजेंसी | तिरुवनंतपुरम

केरल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के दौरे के दौरान एक बड़ा हादसा टल गया। बुधवार को पथानामथिट्टा के राजीव गांधी स्टेडियम में उतरते समय उनका भारतीय वायुसेना का MI-17 हेलिकॉप्टर अचानक गड्ढे में धंस गया। मौके पर मौजूद पुलिस और अग्निशमन विभाग के जवानों ने तुरंत मुस्तैदी दिखाते हुए हेलिकॉप्टर को धक्का देकर सुरक्षित निकाला। अधिकारियों ने बताया कि हेलीपैड जल्दबाजी में तैयार किया गया था और कंक्रीट पूरी तरह सूखा नहीं था। लैंडिंग के समय हेलिकॉप्टर का वजन सहन न कर पाने से जमीन धंस गई और विमान एक ओर झुक गया। घटना के समय राष्ट्रपति मुर्मू सुरक्षित थीं और उन्होंने तत्परता से सड़क मार्ग से आगे की यात्रा जारी रखी। लैंडिंग की योजना पहले निलक्कल (पंबा के पास) में बनाई गई थी, लेकिन खराब मौसम के चलते इसे प्रामदम में बदला गया। राष्ट्रपति मुर्मू ने सबरीमाला मंदिर पहुंचकर भगवान अय्यप्पा के दर्शन किए। वे इस प्रसिद्ध तीर्थस्थल में पूजा करने वाली देश की पहली महिला राष्ट्रपति हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गुरुवार को राजभवन में पूर्व राष्ट्रपति के.आर. नारायणन की प्रतिमा का अनावरण करेंगी। इसके बाद वे वर्कला के शिवगिरी मठ में नारायण गुरु की महा समाधि शताब्दी समारोह का उद्घाटन भी करेंगी।

» चंडीगढ़ मां मौत मामले में खुलासा

तंत्र-मंत्र कराने पर बेटे ने माँ को उतारा मौत के घाट

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

मृतका सुशीला नेगी

आरोपी रविंदर नेगी

चंडीगढ़ के सेक्टर 40 में अपनी मां सुशीला नेगी की हत्या करने वाले आरोपी रविंदर नेगी को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में बुड़ैल जेल भेज दिया गया। वहीं मृतका सुशीला नेगी का सेक्टर 25 श्मशान में संस्कार किया गया और मुखाग्नि उसके बड़े बेटे देवेंद्र नेगी ने दी।मुखाग्नि देते समय देवेंद्र रो रहा था और बोला वह अपनी मां से बहुत प्यार करता है। अगर उसे पता होता तो वह अपनी मां के साथ ही रहता और यह अनहोनी न होने देता।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में पुलिस को बताया गया कि मृतका सुशीला नेगी के शरीर पर चोट के 16 निशान थे और उसके गले, सिर, कंधे और पीठ पर गहरे घाव थे। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसकी मां उसे तंत्र-मंत्र और अन्य तरीकों से इलाज करवा रही थी, जिससे वह काफी परेशान था। इसी वजह से उसने गुस्से में आकर अपनी मां को मार दिया। आरोपी ने हत्या के बाद अपने दोस्त को फोन किया और उसकी वॉल्वो कार लेकर चंडीगढ़ से भाग गया।उसी दौरान चंडीगढ़ के सेक्टर 30 पुलिस स्टेशन की टीम ने आरोपी का मोबाइल सर्विलांस पर लगाया, जिससे उसकी लोकेशन हरियाणा के लालडू की आ रही थी।घटना की जानकारी पड़ोसी आकाश बैंस ने दी, जो इस मामले में शिकायतकर्ता भी हैं। उन्होंने बताया कि सुबह करीब 7 बजे, जब वे चाय पी रहे थे, तभी रविंदर के घर से जोर-जोर से चीखने की आवाजें आने लगीं। वे कुछ पड़ोसियों के साथ वहां पहुंचे तो देखा कि मुख्य दरवाजा अंदर से बंद था।

सुशीला की चीखें सुनाई दे रही थीं, इसलिए सभी लोग छत के रास्ते घर के अंदर गए। वहां उन्होंने देखा कि सुशीला खून से लथपथ फर्श पर पड़ी थी और पास ही रविंदर खून से सने कपड़ों में बाहर निकल रहा था। आकाश ने तुरंत 112 हेल्पलाइन पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची तो सुशीला को जमीन पर पड़ा पाया।प्राथमिक जांच में सामने आया कि सुशीला मूल रूप से पौड़ी गढ़वाल (उत्तराखंड) के बरसो भटोली गांव की रहने वाली थीं। वह पिछले कुछ महीनों से अपने छोटे बेटे रविंदर के साथ सेक्टर 40-D में रह रही थीं। उनके पति राजिंदर सिंह नेगी की कुछ वर्ष पहले मौत हो चुकी है, जबकि बड़ा बेटा सेक्टर 41 में अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रहता है और निजी कंपनी में नौकरी करता है।रविंदर की पत्नी और बेटी करीब छह महीने पहले उसे छोड़कर चली गई थीं, क्योंकि वह अक्सर हिंसक और असामान्य व्यवहार करता था।

पुलिस के मुताबिक आरोपी मानसिक रूप से अस्थिर था और उसे पहले भी कई बार मानसिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था। जैसे ही आरोपी सोनीपत टोल प्लाजा पहुंचा, वहां वाहनों की लंबी लाइन लगी थी। आरोपी ने फ्री लेन से तेज रफ्तार में निकलने की कोशिश की, लेकिन सामने खड़ी गाड़ी से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि उसकी कार बंद हो गई।उसी दौरान हरियाणा पुलिस, जो टोल प्लाजा पर पहले से मौजूद थी, मौके पर पहुंची और आरोपी को पकड़ने के लिए वॉल्वो का शीशा तोड़ दिया। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी के हाथ में भी चोट लगी।

पूर्व डीआईजी के बैंक लॉकरों की जांच शुरू

» सीबीआई ने खुलवाए बैंक के लॉकर

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

चंडीगढ़ से सेंट्रल इनवेस्टीगेशन ब्यूरो की तरफ से पूर्व डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर के बैंक लॉकरों की जांच शुरू कर दी गई है। सीबीआई की एक टीम आज सुबह सेक्टर 9 स्थित HDFC बैंक की ब्रांच पहुंची थी। यहां हरचरण सिंह भुल्लर के लॉकर की जांच की गई है।टीम को जांच के दौरान यहां से कुछ संपत्ति के कागजात, सोना और कई चीजें बरामद हुईं है। जिनको टीम ने कब्जे में लिया है। इसके अलावा अभी कुछ और लॉकरों की जांच की जानी है। सीबीआई को एक डायरी भी मिली है.जिसकी जांच की जा रही है।बताया जा रहा है कि इस लॉकर से प्रॉपर्टी के कुछ कागजात और 50 ग्राम के करीब सोना बरामद हुआ है। सीबीआई की तरफ से इन्हें अपने कब्जे में लिया गया है। यह भी जानकारी सामने आ रही है कि चार अन्य लॉकर भी हैं, जिनकी अभी जांच करनी बाकी है। बैंक से अनुमति मिलने के बाद इन्हें भी खोला जाएगा।सूत्र बताते हैं कि हरचरण सिंह भुल्लर के सेक्टर 40 के घर से एक डायरी भी बरामद हुई थी। जिसमें से सीबीआई को काफी लोगों के संपर्क नंबर, बैंकों से संबंधित कुछ जानकारियां मिली हैं। जिसके आधार पर कुछ कारोबारियों को भी जांच के लिए सम्मन भेजे जा रहे हैं।

पत्नी परिणीति चोपड़ा के जन्मदिन पर राघव चड्ढा ने की बेबी बंप वाली तस्वीरें शेयर

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

पंजाब से आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा की पत्नी बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा का आज जन्मदिन है। वह 37 साल की हो गई हैं। इस मौके पर सांसद पति ने परिणीति चोपड़ा को अनोखे अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी।उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट डालकर लिखा शहर की सबसे नई और सबसे प्यारी मम्मी को जन्मदिन की शुभकामनाएं। गर्लफ्रेंड से पत्नी और अब हमारे प्यारे बेटे की मां बनने तक का सफर वाकई कमाल का रहा है।

उन्होंने पत्नी के बेबी बंप की चार फोटो भी शेयर किए, जिसमें वह बेबी बंप फ्लॉन्ट कर रही हैं और वह उसे चूमते नजर आ रहे हैं।बता दें कि परिणीति चोपड़ा ने 3 दिन पहले ही बेटे को जन्म दिया है।

दिल्ली के एक अस्पताल में उनकी डिलीवरी हुई। परिणीति चोपड़ा और सांसद राघव चड्ढा की शादी 24 सितंबर 2023 को उदयपुर के द लीला पैलेस में हुई थी। राघव चड्ढा का परिवार दिल्ली में रहता है। उनका ननिहाल जालंधर में है। राघव आम आदमी पार्टी के पंजाब से राज्यसभा सांसद हैं और वह पहले पंजाब के प्रभारी भी रह चुके हैं।

पूर्व सैनिक ने भाई का किया कत्ल

समर न्यूज़ | तरनतारन

जिला तरनतारन के गांव नत्थूपुर में पूर्व सेनिक हरपाल सिंह पाला ने लाइसेंसी राइफल से गोली मारकर अपने चचेरे भाई रंजीत सिंह राणा को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर आरोपित के खिलाफ केस दर्ज करके पड़ताल शुरु कर दी है। बुधवार को शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिवार के हवाले कर दिया गया।

विधानसभा हलका पट्टी के गांव नत्थूपुर निवासी बली सिंह का बेटा रंजीत सिंह राणा (38) हरिके पत्तन स्थित गुरुद्वारा नानकसर ईशरधाम में

बतौर ग्रंथी तैनात था। जो बुधवार की सुबह करीब पांच बजे गुरुद्वारा साहिब से ड्यूटी देकर वापस घर लौटा। राणा अपने घर के बाहर मौजूद था कि उसके चाचा बलकार सिंह का लड़का हरपाल सिंह पाला गाली-गलौज करता वहां आया। जिसने राइफल से गोलियां चलाईं। एक गोली लगते ही रंजीत सिंह राणा गंभीर घायल हो गया।

गुरदासपुर में पटाखे जलने से धमाका, एक ही परिवार के 7 सदस्य झुलसे

अवतार सिंह | गुरदासपुर

समर न्यूज़

गुरदासपुर के डेरा बाबा नानक क्षेत्र के गांव धर्माबाद में दिवाली की रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। जश्न के बीच अचानक एक घर में जोरदार धमाका हुआ, जिसकी आवाज पूरे इलाके में गूंज उठी। जब लोग मौके पर पहुंचे तो देखा कि एक ही परिवार के सात सदस्य बुरी तरह झुलस चुके थे। घायलों में दो महिलाएं, दो सगे भाई, एक बेटी और दो दामाद शामिल हैं।

स्थानीय लोगों ने तुरंत सभी को बचाकर गुरु नानक देव अस्पताल, अमृतसर में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज जारी है। परिवार के सदस्य ने बताया कि हादसा रात करीब 10 बजे हुआ। आवाज सुनते ही वे मौके पर पहुंचे तो घर के अंदर अफरा-तफरी मची थी और सभी झुलसे हुए थे।

न्होंने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, धमाका पटाखे फूटने के दौरान हुआ, लेकिन इसकी सटीक वजह अभी स्पष्ट नहीं है। एक रिश्तेदार ने बताया कि हादसे का शिकार हुआ परिवार बेहद गरीब और असहाय है। इलाज का भारी खर्च उठाना उनके लिए मुश्किल हो रहा है। परिजनों ने प्रशासन, समाजसेवियों और आम जनता से आगे आकर आर्थिक मदद की अपील की है ताकि घायलों का सही इलाज हो सके।

साक्षी साहनी को गमाडा का मुख्य प्रशासक बनाया

3 डिप्टी कमिश्नर समेत 6 IAS अफसरों का तबादला

दीवाली के दो रोज बाद ही पंजाब सरकार ने तीन डिप्टी कमिश्नरों सहित छह आईएएस अफसरों का तबादला कर दिया है।बदले गए डीसी में अमृतसर,गुरदासपुर और पठानकोट के डीसी शामिल हैं।

ग्रेटर मोहाली एरिया डेवलपमेंट अथारिटी के मुख्य प्रशासक विशेष सारंगल को भी बदल दिया गया है ।उन्हें विशेष सचिव व डायरेक्टर सुशासन, सूचना व तकनीक विभाग लगाया गया है।

वह पंजाब राज्य ई-शासन सोसायटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी भी होंगे। अमृतसर की डीसी साक्षी साहनी जिन्होंने बाढ़ के दिनों में अमृतसर इलाके में काफी काम किया था अब गमाडा की नई मुख्य प्रशासक होंगी। आदित्य उप्पल गुरदासपुर के नए डीसी होंगे। पलवी पठानकोट की नई डीसी होंगी औरसाथ ही पठानकोट नगर निगम की कमिश्नर का चार्ज भी उनके पास रहेगा। दलविंदर जीत सिंह अमृतसर के नए डीसी होंगे। हरप्रीत सिंह को अतिरिक्त सचिव वाटर सप्लाई व सेनिटेशन विभाग और जलापूर्ति व सेनिटेशन विभाग च बिजली विभाग के अतिरिक्त सचिव का चार्ज दिया गया है।

तरनतारन कोर्ट में हुआ एएसआई पर हमला

समर न्यूज़ | तरनतारन

जिला तरनतारन के गांव नत्थूपुर में पूर्व सेनिक हरपाल सिंह पाला ने लाइसेंसी राइफल से गोली मारकर अपने चचेरे भाई रंजीत सिंह राणा को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर आरोपित के खिलाफ केस दर्ज करके पड़ताल शुरु कर दी है। बुधवार को शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिवार के हवाले कर दिया गया।

विधानसभा हलका पट्टी के गांव नत्थूपुर निवासी बली सिंह का बेटा रंजीत सिंह राणा (38) हरिके पत्तन स्थित गुरुद्वारा नानकसर ईशरधाम में बतौर ग्रंथी तैनात था।

जो बुधवार की सुबह करीब पांच बजे गुरुद्वारा साहिब से ड्यूटी देकर वापस घर लौटा। राणा अपने घर के बाहर मौजूद था कि उसके चाचा बलकार सिंह का लड़का हरपाल सिंह पाला गाली-गलौज करता वहां आया।

जिसने राइफल से गोलियां चलाईं। एक गोली लगते ही रंजीत सिंह राणा गंभीर घायल हो गया।

डीआईजी हरचरण बुलर के तबादले के बाद नानक सिंह बने नए डीआईजी

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

रिश्वत मामले में गिरफ्तार किए गए DIG हरचरण सिंह भुल्लर की जगह अब IPS अधिकारी नानक सिंह को रोपड़ रेंज का DIG लगाया गया है। नानक सिंह अभी बॉर्डर रेंज अमृतसर के डीआईजी थे।इसके साथ संदीप गोयल को अब बॉर्डर रेंज अमृतसर का DIG लगाया गया है। IPS नानक सिंह पहले पटियाला रेंज के डीआईजी भी रह चुके हैं।उधर, हरचरण सिंह भुल्लर अब ED यानी एन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट के रडार पर हैं।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का 61वां जन्मदिन, भाजपा नेताओं ने दी बधाई

समर न्यूज | गुड़गांव

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आज अपना 61वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस अवसर पर अहमदाबाद स्थित उनके आवास पर आयोजित समारोह में भाजपा नेताओं ने उन्हें शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया।

गुड़गांव से भाजपा के ओबीसी मोर्चा के जिला सचिव राव महेंद्र सिंह भी समारोह में पहुंचे। राव महेंद्र ने अमित शाह को भगवान गणेश की प्रतिमा भेंट की और उनकी दीर्घायु और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की।

राव महेंद्र सिंह ने कहा कि अमित शाह का समर्पण, मेहनती स्वभाव और दूरदर्शिता ही उन्हें विश्व प्रसिद्ध नेता बनाती है। उन्होंने भारत की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया और हर नागरिक को सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर प्रदान किया।

उन्होंने यह भी कहा कि अमित शाह के महत्वपूर्ण निर्णयों ने देश को नक्सल प्रभावित क्षेत्रों से मुक्त करने में निर्णायक भूमिका निभाई है। संगठन के विस्तार और विचारधारा के सशक्तिकरण में भी अमित शाह के मजबूत इरादों और दृढ़ नेतृत्व का अहम योगदान रहा है।

राव महेंद्र ने आगे कहा कि सरल और मेहनती स्वभाव वाले अमित शाह के नेतृत्व में ही धारा 370 को हटाने में सफलता हासिल हुई और भारत में शांति, स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित की गई।

कुरुक्षेत्र में 15 नवंबर से शुरू होगा 21 दिन का अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव

समर न्यूज | चंडीगढ़

कुरुक्षेत्र में 15 नवंबर से 5 दिसंबर 2025 तक अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव आयोजित किया जाएगा, जिसमें 51 देशों के मिशन भी इसी प्रकार के कार्यक्रमों में भाग लेंगे। हरियाणा टीम ने सीजीआई, ओसाका के सहयोग से दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत जापानी मंडलियों की भागीदारी की संभावना तलाशने का कार्य भी शुरू किया है।

इससे पहले हरियाणा सरकार के प्रतिनिधि मंडल ने जापान यात्रा के दौरान ओसाका स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास में श्रीमद्भागवत गीता (जापानी संस्करण) की 100 प्रतियां भेंट की थीं। इस अवसर पर ओसाका विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर विकास पांडे और कुरुक्षेत्र की निवासी निकिता, जो टोक्यो में रहती हैं, ने यह उपहार दिया।

महोत्सव में केबीडी के उपेंद्र सिंघल, मुख्यमंत्री कार्यालय के पवन चौधरी, एचएसआईआईडीसी के संजय गर्ग, हरियाणा सरकार के विदेश सहयोग विभाग की हीना बिंदलिश और प्रवासी भारतीय प्रतिनिधि अजय नरूला भी शामिल हुए। बैठक में जापान और अन्य देशों में गीता के शाश्वत संदेश के प्रसार के लिए विचारों का आदान-प्रदान किया गया। सीजीआई, ओसाका ने जापानी छात्रों के लिए ऑनलाइन गीता शिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करने की इच्छा भी जताई।

सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से महोत्सव

मुख्यमंत्री ने बताया कि महोत्सव के दौरान सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से शोभायात्रा निकाली जाएगी और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सभी धार्मिक, सामाजिक और अन्य संगठनों की भागीदारी से कुरुक्षेत्र की पावन धरती को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा।

21 दिनों तक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक उल्लास

गीता महोत्सव 21 दिन तक चलेगा। इसमें कई पूर्व कार्यक्रम आयोजित होंगे। 4 से 14 नवंबर तक ऑनलाइन गीता क्विज, 15 नवंबर को गीता रन, 15 नवंबर से 5 दिसंबर तक शिल्प और सरस मेला। हर शाम पुरुषोत्तमपुरा बाग में भजन संध्या और महाआरती का आयोजन होगा।

मुख्य कार्यक्रम 24 नवंबर से 1 दिसंबर तक

24 नवंबर : गीता यज्ञ, गीता पूजन, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय गीता सेमिनार, सर्वधर्म सम्मेलन, ज्योतिसर व सन्निहित सरोवर पर कथा, पुरुषोत्तमपुरा बाग में सांस्कृतिक कार्यक्रम

25 नवंबर : अंतरराष्ट्रीय गीता सेमिनार और पुरुषोत्तमपुरा बाग में सांस्कृतिक कार्यक्रम

26-27 नवंबर: पुरुषोत्तमपुरा बाग में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

28-30 नवंबर: गीता श्लोक उचारण, वाद-विवाद, निबंध लेखन, पेंटिंग, रंगोली, मेहंदी सहित प्रतियोगिताएं

1 दिसंबर: ज्योतिसर में गीता पाठ और यज्ञ, वैश्विक गीता पाठ, 48 कोस तीर्थ सम्मेलन, सन्निहित सरोवर पर दीपोत्सव, ब्रह्मसरोवर पर दीपदान व आरती, पुरुषोत्तमपुरा बाग में सांस्कृतिक कार्यक्रम।

मां की ममता में ढला मुख्यमंत्री का सादगी भरा दीपावली समारोह

समर न्यूज | चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने पैतृक गांव मिर्जापुर में दीपावली, भगवान विश्वकर्मा दिवस और भैया दूज के अवसर पर परिवार और ग्रामीणों के साथ उत्सव मनाया। मुख्यमंत्री ने अपनी माता कुलवंत कौर और ताऊ तेजा राम सैनी के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया।

इस अवसर पर छोटे बच्चों ने मुख्यमंत्री के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद प्राप्त किया, और मुख्यमंत्री ने भी बच्चों को प्यार और आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने अपनी धर्मपत्नी सुमन सैनी (उपाध्यक्ष हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद), पुत्र अनिकेत सैनी, पुत्री वंशिका सैनी, भाई चन्दन सैनी, भतीजे हनीश सैनी, अन्य परिजनों के साथ घर पर पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की।

मुख्यमंत्री के पैतृक गांव आगमन पर हेलीकॉप्टर राजकीय महाविद्यालय नारायणगढ़ के हेलीपैड पर उतरा। मुख्यमंत्री ने मां के आंचल में प्रेम और स्नेह प्राप्त करते हुए बच्चों की तरह ममता भरे पल बिताए। इस दौरान मुख्यमंत्री की माता ने उनकी कलाई पर आशीर्वाद रूपी धागा भी बांधा, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने ग्रामीणों और परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताते हुए दीपावली की खुशियाँ साझा कीं। इस अवसर ने यह स्पष्ट कर दिया कि चाहे व्यक्ति किसी भी ऊँचाई पर पहुंच जाए, मां का आशीर्वाद और स्नेह जीवन में सबसे बड़ा सुख है।

दिल्ली-अंबाला रेलवे में बड़ा बदलाव : मंत्रालय ने दी मंजूरी

समर न्यूज | अंबाला

रेल मंत्रालय ने दिल्ली और अंबाला के बीच के व्यस्त रेलवे रूट को चार ट्रैक (फोरलाइन) में बदलने की योजना को मंजूरी दे दी है। यह कदम यात्रियों की बढ़ती संख्या, माल परिवहन की मांग और समयबद्ध ट्रेन संचालन सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। परियोजना पूरी होने के बाद इस मार्ग पर रेल सेवाएं तेज, सुरक्षित और अधिक सुविधाजनक होंगी।

वर्तमान स्थिति और आवश्यकता

वर्तमान में दिल्ली-अंबाला मार्ग पर केवल दो रेलवे ट्रैक हैं, जिससे यात्रियों को ट्रेन देरी, भीड़भाड़ और तकनीकी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यह मार्ग उत्तर भारत के सबसे व्यस्त मार्गों में शामिल है, जहां रोजाना हजारों यात्री सफर करते हैं और माल परिवहन भी भारी मात्रा में होता है। मौजूदा ट्रैक की क्षमता अब अपनी सीमा पर पहुँच चुकी है, इसलिए इसे चार ट्रैक में विस्तारित करने की योजना बनाई गई है।

परियोजना की लागत और समय सीमा

रेल मंत्रालय के अनुसार, इस फोरलाइनिंग प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत 7,074 करोड़ है। दिल्ली से अंबाला तक 193.6 किलोमीटर लंबे इस मार्ग को अगले चार वर्षों में चार ट्रैक में बदलने का लक्ष्य रखा गया है। इस परियोजना के तहत 32 रेलवे स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं के साथ अपग्रेड किया जाएगा।

अपग्रेड सुविधाओं में शामिल हैं:

प्लेटफॉर्म विस्तार

वेटिंग लाउंज और पेयजल सुविधाएं

स्वच्छता और डिजिटल डिस्प्ले सिस्टम

टूरिज्म इंफ्रास्ट्रक्चर विकास

पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा

रेलवे ट्रैक विस्तार से न केवल यातायात क्षमता बढ़ेगी, बल्कि क्षेत्रीय पर्यटन और स्थानीय व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा। स्टेशनों को पर्यटक केंद्रों के रूप में विकसित किया जाएगा।

भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया शुरू

परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। योजना के अनुसार, 15 गांवों से कुल 11 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित की जाएगी। इसके अलावा 80 हेक्टेयर निजी भूमि और 5 हेक्टेयर सरकारी भूमि भी परियोजना में शामिल की जाएगी। प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा देने की तैयारी की जा रही है।

सुरक्षा और सुविधा में सुधार

फोरलाइनिंग के बाद इस मार्ग की यातायात क्षमता दोगुनी हो जाएगी। इससे ट्रेनें समय पर चलेंगी, संचालन सुरक्षित होगा और यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव मिलेगा।

हरियाणा में प्रशासनिक सुधार : नए जिलों का गठन प्रस्तावित

समर न्यूज | चंडीगढ़

हरियाणा सरकार राज्य में प्रशासनिक ढांचे को और मजबूत बनाने के लिए बड़े कदम की तैयारी में है। सूत्रों की जानकारी के अनुसार, राज्य सरकार को 11 नए जिलों, 14 नए उपमंडलों, 4 नई तहसीलों और 27 उप-तहसीलों के गठन के लिए प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। यह सभी प्रस्ताव प्रशासनिक पुनर्गठन उप-समिति की हालिया बैठक में रखे गए।

बैठक की अध्यक्षता विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने की, जबकि शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा और कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा सदस्य के रूप में उपस्थित रहे। राजस्व विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा और विशेष सचिव कमलेश कुमार भादू भी बैठक में मौजूद थे।

प्रस्तावित नए जिले :

असंध (जिला करनाल)

नारायणगढ़ (जिला अंबाला)

मानेसर (जिला गुरुग्राम)

पटौदी (जिला गुरुग्राम)

पिहोवा (जिला कैथल)

हांसी (जिला हिसार)

बरवाला (जिला हिसार)

सफीदों (जिला जींद)

गोहाना (जिला सोनीपत)

डबवाली (जिला सिरसा)

गौरतलब है कि हांसी और डबवाली पहले ही पुलिस जिले के रूप में घोषित किए जा चुके हैं।

सेंसिटिव समय-सीमा:

राज्य सरकार को इन प्रस्तावों पर निर्णय 31 दिसंबर 2025 से पहले लेना अनिवार्य है। रजिस्ट्रार जनरल एवं जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने स्पष्ट किया है कि जनगणना से पहले किसी भी प्रशासनिक सीमा में बदलाव की अंतिम तिथि यही है। यदि समय पर निर्णय नहीं लिया गया, तो अगला मौका जून 2027 में ही मिलेगा।

नए जिले बनाने के मानदंड:

गांवों की संख्या: 125 से 200

जनसंख्या: 4 लाख से अधिक

क्षेत्रफल: 80,000 हेक्टेयर से अधिक

इसी आधार पर उपमंडल, तहसील और उप-तहसील के गठन के लिए भी मापदंड तय किए गए हैं।

अन्य प्रस्ताव और सुझाव:

गांव खुंगा (उपमंडल उचाना) को उपमंडल जींद में शामिल करने की सिफारिश।

गांव खानपुर रोरण (तहसील पिहोवा) में शामिल करने का प्रस्ताव।

मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने बताया कि सरकार जनहित और स्थानीय प्रतिनिधियों की मांगों को ध्यान में रखते हुए प्रशासनिक ढांचे को नए सिरे से गठित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अगला कदम:

बैठक में लिए गए सभी प्रस्ताव अब मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की मंजूरी के लिए भेजे जाएंगे। यदि मुख्यमंत्री से हरी झंडी मिलती है, तो हरियाणा में जल्द ही बड़े प्रशासनिक बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

हरियाणा स्टेट गेम्स सर्टिफिकेट पर नहीं मिलेगा ग्रेडेशन, सरकार सख्त

समर न्यूज | चंडीगढ़

हरियाणा स्टेट गेम्स 2025 में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को अब इस प्रतियोगिता के सर्टिफिकेट के आधार पर स्पोर्ट्स ग्रेडेशन सर्टिफिकेट नहीं मिलेगा। इस संबंध में खेल विभाग के प्रधान सचिव ने हरियाणा ओलंपिक संघ को आधिकारिक पत्र जारी किया है। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि विभाग के संज्ञान में यह बात आई है कि 2 से 8 नवंबर तक पंचकूला में होने जा रहे हरियाणा स्टेट गेम्स के प्रचार में यह दावा किया जा रहा है कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को ग्रेडेशन का लाभ दिया जाएगा। खेल विभाग ने इस दावे को भ्रामक करार देते हुए स्पष्ट किया है कि स्टेट गेम्स के प्रमाण पत्र हरियाणा सरकार की 15 नवंबर 2018 की अधिसूचना के अनुसार ग्रेडेशन के लिए मान्य नहीं हैं। विभाग ने कहा कि केवल वही खेल प्रतियोगिताएं ग्रेडेशन के लिए मान्यता प्राप्त हैं, जिन्हें विभाग द्वारा स्वीकृत और अधिसूचित किया गया है। हालांकि हरियाणा स्टेट गेम्स बड़े स्तर पर आयोजित किए जा रहे हैं, लेकिन फिलहाल यह प्रतियोगिता मान्य प्रतियोगिताओं की सूची में शामिल नहीं है। ऐसे में इस आयोजन के प्रमाण पत्र पर किसी खिलाड़ी को ग्रेडेशन लाभ या खेल कोटे में नौकरी का फायदा नहीं मिलेगा।खेल विभाग ने खिलाड़ियों को सलाह दी है कि वे किसी भी टूर्नामेंट में हिस्सा लेने से पहले उसकी मान्यता और पात्रता नियम अवश्य जांच लें, ताकि भविष्य में ग्रेडेशन या रोजगार से जुड़े मामलों में किसी प्रकार की परेशानी या भ्रम की स्थिति न बने। विभाग ने यह पत्र खेल मंत्री, महानिदेशक खेल विभाग और अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) को भी भेजा है।

रोहतक से वृंदावन, हरिद्वार समेत पांच स्थलों के लिए AC बस

समर न्यूज | रोहतक

हरियाणा रोडवेज ने रोहतक से पांच प्रमुख धार्मिक स्थलों – वृंदावन, मेहंदीपुर, बालाजी, हरिद्वार और हल्द्वानी – के लिए 5 नई एयर कंडीशंड (AC) बसों का शुभारंभ किया। इन बसों के माध्यम से श्रद्धालु आरामदायक और सुविधाजनक यात्रा कर सकेंगे।

बसों का उद्घाटन मेयर रामअवतार वाल्मीकि, पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर, डीसी सचिन गुप्ता और रोडवेज के जनरल मैनेजर विपिन कुमार ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर किया।

मेयर ने यात्रियों की सुविधा पर दिया जोर

मेयर रामअवतार वाल्मीकि ने कहा कि सरकार लगातार जनकल्याण और सुविधाओं को बढ़ाने के लिए नई परियोजनाओं को लागू कर रही है। उन्होंने बताया कि रोहतक डिपो से शुरू हुई ये AC बसें यात्रियों को आरामदायक सफर उपलब्ध कराएंगी। किराया सामान्य बसों की तुलना में केवल 50 रुपए अधिक रखा गया है, ताकि यह यात्रियों के बजट में फिट बैठ सके।

5 प्रमुख धार्मिक स्थलों के लिए सेवा विवरण : रोडवेज GM विपिन कुमार ने बताया कि ये बसें प्रतिदिन रवाना होंगी और अगले दिन वापसी करेंगी। रोहतक से वृंदावन का किराया 357 रुपए निर्धारित किया गया है। बसें दोपहर 12:10 बजे रोहतक से रवाना होंगी और वृंदावन से सुबह 5 बजे वापसी करेंगी।

छठ पूजा के लिए विशेष इंतजाम

विपिन कुमार ने बताया कि छठ पूजा के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए अतिरिक्त बस सेवा और कर्मचारियों की ड्यूटी बढ़ाई जाएगी। सिटी बसों को भी बढ़ती मांग के अनुसार सड़कों पर उतारा जाएगा। वृंदावन और हरिद्वार रूट पर यात्रियों की संख्या अधिक होने के कारण इन रूटों पर AC बसें लंबी दूरी पर चलाई जाएंगी। इस पहल से धार्मिक स्थलों की यात्रा और सुगम, सुरक्षित और आरामदायक होगी, जिससे श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी।

लाडवा में नाबालिग बेटे ने मां को कुल्हाड़ी से मारकर की हत्या

समर न्यूज | कुरुक्षेत्र

जिले के लाडवा में देर रात एक दिल दहला देने वाली घटना हुई, जहाँ एक नाबालिग बेटे ने अपनी मां पर कुल्हाड़ी से हमला कर उसकी हत्या कर दी। वारदात के तुरंत बाद आरोपी युवक मौके से फरार हो गया।

पुलिस ने मौके पर पहुँचकर मृतक का शव लोकनायक जयप्रकाश नागरिक अस्पताल मोर्चरी हाउस में भिजवाया। शव का पोस्टमार्टम आज दोपहर बाद किया जाएगा।

मृतक महिला की पहचान लगभग 46 वर्षीय मुकेश के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि महिला कुछ समय पहले अपने पति से तलाकशुदा हो चुकी थी और अकेले रह रही थी। आरोपी नाबालिग बेटा अपने पिता के साथ रह रहा था, जबकि महिला का दूसरा बेटा विदेश में है।

एसएचओ सुनील वत्स ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर गहन जांच शुरू कर दी है। हत्या के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस फरार नाबालिग आरोपी की तलाश में जुटी है और घटना की गंभीरता को देखते हुए जल्द उसे पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

कुरुक्षेत्र में सरकारी भवन उड़ाने की साजिश, दो आरोपी गिरफ्तार

समर न्यूज | कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र पुलिस ने सरकारी भवन को निशाना बनाने की साजिश रचने वाले दो आरोपियों संदीप (22) और गुरविंदर उर्फ गग्गू (19) को 7 अक्टूबर को गिरफ्तार किया। पूछताछ में सामने आया कि इस साजिश के लिए 24 हजार रुपये एडवांस में दिए गए थे, जबकि कार्य पूरा होने पर बड़ी रकम का वादा किया गया था।

सीआईए-2 के प्रभारी निरीक्षक मोहन लाल के अनुसार, आरोपियों की निशानदेही पर कैथल के सुरेश कुमार और पटियाला के विशु को भी गिरफ्तार किया गया। फिलहाल, इस मामले में दो विदेशी गैंगस्टर, जो अमेरिका में बैठे हैं, फरार हैं और उनके पकड़ने पर इनाम घोषित किया गया है।

जांच में खुलासा हुआ कि यमुनानगर का एक गैंगस्टर विदेश से सीधे साजिश की योजना बना रहा था और स्थानीय गुर्गों को इसमें शामिल किया गया। संदीप और गुरविंदर इसी गिरोह के निर्देश पर ग्रेनेड लेकर कुरुक्षेत्र जा रहे थे। यह गिरोह पहले भी जालंधर में भाजपा नेता मनोरंजन कालिया के घर ग्रेनेड हमला करने में शामिल बताया गया है।

विशु और संदीप ग्रेनेड लेने पठानकोट तक गए थे। सुरेश कुमार का काम आरोपियों को हथियार उपलब्ध कराना था, और उन्हें 13 अक्टूबर को देसी पिस्तौल और चार कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया। चारों आरोपियों को रिमांड पर पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया है।

शिमला के धामी का अनोखा पत्थर मेला

» जहाँ रक्त से भद्रकाली का होता है तिलक » रानी के बलिदान से शुरू हुई सदियों पुरानी परंपरा

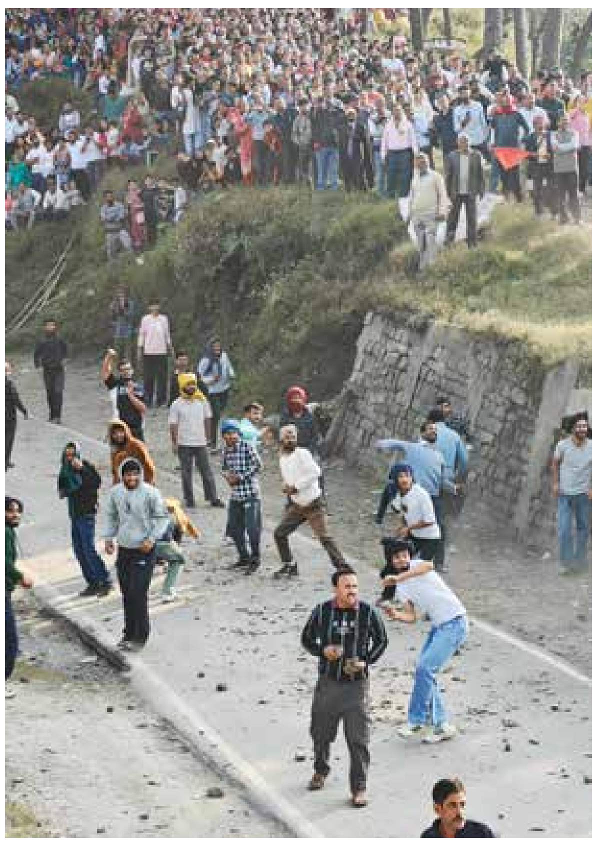

मोहित प्रेम शर्मा | शिमला
समर न्यूज

दिवाली के अगले ही दिन शिमला से करीब 30 किलोमीटर दूर धामी के हलोग में सदियों पुरानी अनोखी परंपरा 'पत्थर मेला' इस बार भी धूमधाम से मनाया गया। मां भद्रकाली के मंदिर प्रांगण में करीब 20 से 25 मिनट तक पत्थरों की बारिश होती रही, जिसमें 60 वर्षीय सुभाष को पत्थर लगने पर उनका खून देवी को चढ़ाया गया और पत्थर खेल की विधि पूरी मानी गई। इस परंपरा में महिलाएं और गैर स्थानीय लोग हिस्सा नहीं ले सकते और सुरक्षा व्यवस्था में पुलिस व एम्बुलेंस तैनात रहती है।

कहां, कैसे और क्यों?

धामी में मनाया जाने वाला पत्थर मेला देव आस्था और इतिहास से गहरे जुड़ा हुआ है। मान्यता है कि करीब 400–500 वर्ष पहले धामी रियासत में महामारी और अनिष्ट से बचने के लिए नरबलि दी जाती थी। कुप्रथा के खिलाफ आवाज़ उठाते हुए रियासत की रानी ने सती होकर यह प्रथा रुकवाई और घोषणा की अब मानव बलि नहीं होगी। यदि देवी को रक्त अर्पण करना है तो पत्थर खेल के माध्यम से होगा। तभी से रानी के 'चौरे' पर यह परंपरा रक्त-तिलक के रूप में जारी है।

ऐसे शुरू होता है मेला

परंपरा की शुरुआत रियासत के पुराने महल स्थित भगवान नरसिंह मंदिर में पूजा अर्चना से होती है। राजघराने और स्थानीय खुंदों के लोग ढोल-नगाड़ों के साथ जुलूस निकालते हुए रानी स्मारक तक पहुंचते हैं। इसके बाद दो टीमें कटैड़ू–तुनड़ू–दगोई–जठोटी खुंद और दूसरी ओर जमोगी खुंद आमने-सामने पत्थर फेंकना शुरू करती हैं।

पत्थर लगने के बाद बहा रक्त देवी भद्रकाली को चढ़ाया जाता है, जिसे शगुन और आशीर्वाद माना जाता है। जगदीप सिंह राणा, राजवंश उत्तराधिकारी ने कहा कि यह आस्था, साहस और परंपरा का उत्सव है। सदियों से लोग निष्ठा के साथ इसे निभाते आ रहे हैं।

सुभाष (60), जिन्हें इस बार पत्थर लगा, बोले-मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं। जब तक सांस है, इस मेले में भाग लेता रहूंगा।

रणजीत सिंह कंवर, जनरल सेक्रेटरी मेला कमेटी ने बताया कि यह त्योहार किसी को भयभीत नहीं करता, बल्कि लोग स्वेच्छा से चोट को सौभाग्य मानकर हिस्सा लेते हैं। मेला केवल स्थानीय खुंदों के पुरुषों तक सीमित, महिलाओं और बाहरी लोगों को भागीदारी की अनुमति नहीं।

पुलिस, स्वास्थ्य कर्मी, एम्बुलेंस मौके पर तैनात

पत्थर लगते ही खेल तुरंत रोकने का नियम

आधुनिक दौर और विज्ञान के युग में भी धामी का यह पत्थर मेला आज आस्था, परंपरा और इतिहास का जीवंत उदाहरण है। दुनिया भले इसे खतरनाक परंपरा मान ले, लेकिन धामी के लोगों के लिए यह सदियों से चली आ रही पहचान, कर्तव्य और श्रद्धा का पर्व है, जिसमें रक्त नहीं, परंपरा की रगों में बसे विश्वास का प्रवाह दिखाई देता है।

राजस्थान से पशु आवक पर रोक लगे, नहीं तो सड़क से सदन तक लड़ाई : डॉ. जनक राज

समर न्यूज | भरमौर

पांगी के विधायक डॉ. जनक राज ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में राजस्थान से बड़े पैमाने पर आने वाली भेड़-बकरियों की बिक्री स्थानीय पशुपालकों के लिए सीधा संकट बन चुकी है। डॉ. जनक राज ने कहा कि यदि सरकार ने इस अनियंत्रित आवक को रोकने के लिए तुरंत कदम नहीं उठाए, तो प्रदेश का पारंपरिक भेड़पालन व्यवसाय खत्म होने की कगार पर पहुंच जाएगा। डॉ. जनक राज ने कहा कि राजस्थान से बिना सत्यापन, बिना नीति और बिना नियंत्रण के आ रहे पशु स्थानीय बाजार पर कब्जा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे हिमाचल के भेड़पालकों की आय, बाजार और भविष्य बुरी तरह प्रभावित हो रहा है, और सरकार की चुप्पी इस स्थिति को और भयावह बना रही है।

डॉ. जनक राज ने कहा कि बाहरी पशु कम दाम में बिककर हिमाचली भेड़पालकों का मूल्य और बाजार दोनों गिरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह न केवल स्थानीय नस्लों के संरक्षण के खिलाफ है, बल्कि इससे पशु-रोग और संक्रमण फैलने का खतरा भी बढ़ रहा है, जिस पर सरकार को तुरंत वैज्ञानिक और कानूनी नियंत्रण लागू करना चाहिए।

डॉ. जनक राज ने आरोप लगाया कि सरकार की खामोशी बाहरी कारोबारियों को फायदा पहुंचा रही है, जबकि हिमाचल का असली पशुपालक अपने ही प्रदेश में हाशिये पर धकेला जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह अन्याय किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। डॉ. जनक राज ने चेतावनी दी कि यदि इस मुद्दे पर तुरंत कार्रवाई नहीं हुई, तो स्थानीय भेड़पालक सड़कों पर उतरने को मजबूर होंगे। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भेड़पालक समुदाय के साथ खड़े रहेंगे और प्रदेश के अधिकारों की लड़ाई सड़क से लेकर सदन तक लड़ेंगे।

डॉ. जनक राज ने कहा कि मुख्यमंत्री और पशुपालन विभाग इस मामले पर तुरंत बैठक बुलाएं और स्थानीय पशुपालकों को आर्थिक एवं कानूनी सुरक्षा प्रदान करें, अन्यथा वे आंदोलन का समर्थन करने को बाध्य होंगे।

शिमला के जुन्गा में 25 से 28 अक्टूबर तक होगा पैराग्लाइडिंग फ्लाइंग फेस्टिवल

» 15 विदेशी पैराग्लाइडर लेंगे हिस्सा, ग्रेट खली बनेंगे आकर्षण का केंद्र

संजू | शिमला
समर न्यूज

राजधानी शिमला के जुन्गा में 25 से 28 अक्टूबर तक तीसरा शिमला पैराग्लाइडिंग फ्लाइंग फेस्टिवल एवं हॉस्पिटैलिटी एक्सपो 2025 आयोजित किया जाएगा। इस चार दिवसीय कार्यक्रम में 15 विदेशी और 70 भारतीय पैराग्लाइडर आसमान में उड़ान भरते नजर आएंगे। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू फेस्टिवल का शुभारंभ करेंगे, जबकि 26 अक्टूबर को नामी रेसलर ग्रेट खली मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। इस अवसर पर प्री पैराग्लाइडिंग एक्यूरेसी वर्ल्ड कप और प्री एशियन लीग चैंपियनशिप का भी आयोजन किया जाएगा।

फेस्टिवल निदेशक अरुण रावत ने बताया कि यह आयोजन प्रदेश में साहसिक खेलों को बढ़ावा देने और पर्यटकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस बार सात देशों के पैराग्लाइडर हिस्सा ले रहे हैं। प्रतिभागियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुख्ता प्रबंध किए गए हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर के जज प्रतियोगिता को जज करेंगे।रावत ने कहा कि फेस्टिवल के दौरान हिमाचल प्रदेश के पारंपरिक उत्पादों और व्यंजनों की प्रदर्शनी व बिक्री भी की जाएगी। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण रहेगा।

बीड बिलिंग राष्ट्रीय पैराग्लाइडिंग स्कूल पर क्यों लटका है ताला : जयराम ठाकुर

» अंतरराष्ट्रीय मानकों के हिसाब से संचालित हो राष्ट्रीय पैराग्लाइडिंग स्कूल

समर न्यूज | शिमला

शिमला से जारी बयान में पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि बीड बिलिंग के राष्ट्रीय पैराग्लाइडिंग स्कूल का उद्घाटन होने के 9 महीने बाद भी बंद पड़ा है। जहां पर सैकड़ो बच्चे हर साल ट्रेनिंग लेकर ट्रेन पैराग्लाइडिंग पायलट बन सकते थे वह संस्थान सरकार की नाकामियों और राज्य सरकार के विभिन्न विभाग केबीच तालमेल की कमी की भेंट चढ़ चुका है। हिमाचल प्रदेश को प्रकृति द्वारा प्रदत्त पैराग्लाइडिंग की बेहद अनुकूल परिस्थितियों के बाद भी सरकार लाभ नहीं उठा पा रही है। केंद्र सरकार की स्वदेश दर्शन योजना के तहत पूर्व सरकार द्वारा 8 करोड़ की लागत से राष्ट्रीय पैराग्लाइडिंग स्कूल का बीड बिलिंग में निर्माण किया गया था। इसका उद्घाटन भी मुख्यमंत्री द्वारा 25 जनवरी 2025 को किया जा चुका है। उद्घाटन में डेढ़ साल से ज्यादा की देरी के बाद भी यह स्कूल संचालित नहीं हो पाया है। मेरा सुख की सरकार और मुख्यमंत्री से आग्रह है कि एशिया के पहले नेशनल पैराग्लाइडिंग स्कूल का संचालन सरकार अंतर्राष्ट्रीय मानको और नियमों के अनुसार किया करें। जिससे यहां से प्रशिक्षित होकर जाने वाले पायलट के लाइसेंस को पूरी दुनिया के विभिन्न संगठन मान्यता दें। पूरी दुनिया के खिलाड़ी बीड बिलिंग में आकर विभिन्न प्रकार के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा लेते हैं लेकिन दुख इस बात का है कि देश का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों का लाइसेंस दूसरे देश द्वारा जारी होता है। इस खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ही पूर्व सरकार द्वारा इस स्कूल का निर्माण केंद्र सरकार के सहयोग से करवाया गया था।

जय राम ठाकुर ने कहा कि बीड बिलिंग को क्रॉस-कंट्री पैराग्लाइडिंग के लिए दुनिया के सबसे सुरक्षित स्थलों में से एक माना जाता है और इसे अपनी अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा के अनुरूप संस्थागत समर्थन की आवश्यकता है। हिमाचल में राज्य-स्तरीय महासंघ और अंतर्राष्ट्रीय पायलट प्रवीणता सूचना लाइसेंस (आईपीपीआई) जारी करने हेतु अधिकृत निकाय की स्थापना न होने के कारण भारत में पायलट प्रमाणन और प्रशिक्षण का लाइसेंस देने पर रोक है। इसकी वजह से दशकों से भारत को पैराग्लाइडिंग के खेल में मान्यता के लिए संघर्ष करना पड़ता है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि राष्ट्रीय वायु खेल दिशानिर्देश (एनएएसजी) 2023 के साथ, पैराग्लाइडिंग को ज़िम्मेदारी से बढ़ावा देने के लिए अब नियामक ढाँचा मौजूद है। सरकारी यदि उस गाइडलाइंस को मानते हुए काम करें और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप कार्य करते हुए पैराग्लाइडिंग के स्कूल चलाने की दिशा में काम करें तो न सिर्फ राष्ट्रीय पैराग्लाइडिंग स्कूल हर साल सैकड़ो प्रशिक्षित पायलट तैयार कर उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप लाइसेंस प्रदान करेगा बल्कि निजी क्षेत्र में भी स्कूल खोले जाने के अवसर बनेंगे।

इसके लिए निजी क्षेत्र में भी पैराग्लाइडिंग स्कूल खोलने से संबंधित दिशा निर्देश सरकार को बनाने चाहिए। जिससे एरो स्पोर्ट्स के क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश नए आयाम स्थापित कर सकता है। इसलिए लाइसेंसिंग को औपचारिक रूप देने के लिए एयरो क्लब ऑफ इंडिया (एसीआई) और हिमाचल प्रदेश सरकार के बीच तत्काल समन्वय का स्थापित किया जाए, जिससे स्थानीय पैराग्लाइडिंग प्रशिक्षकों के लिए नए रास्ते खुलेंगे।

हिमाचल में फिर बदला मौसम का मिजाज, ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी के आसार

समर ब्यूरो | शिमला

पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से हिमाचल प्रदेश का मौसम एक बार फिर करवट ले चुका है। मंगलवार को राजधानी शिमला सहित आसपास के इलाकों में बादल छाए रहे और कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी हुई। मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार और वीरवार को लाहौल-स्पीति, किन्नौर, कुल्लू और चंबा की ऊंची पहाड़ियों पर बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई गई है।

22 और 23 अक्टूबर को राज्य के उच्च पर्वतीय और मध्यवर्ती इलाकों में ठंड में बढ़ोतरी की उम्मीद है। वहीं मैदानी जिलों - ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर और कांगड़ा - में मौसम साफ रहने और दिन के समय धूप खिलने के आसार हैं। राजधानी शिमला और इसके आसपास के इलाकों में भी ठंड का असर धीरे-धीरे तेज हो रहा है। मौसम में आए इस बदलाव से प्रदेशभर में सुबह और शाम के समय ठिठुरन बढ़ गई है, जिससे लोगों ने गर्म कपड़ों का उपयोग शुरू कर दिया है। सोमवार रात को दर्ज न्यूनतम तापमान इस प्रकार रहा - केलांग में 1.0C, कुकुमसेरी में 2.1C, ताबो में 2.9C, कल्पा में 5.0C, रिकांगपिओ में 7.9C, मनाली में 8.4C, धर्मशाला में 12.2C और शिमला में 12.6C।

धर्मशाला में दीपावली के बाद प्रदूषण स्तर बढ़ा, एक्यूआई 120 तक पहुंचा

राहुल चावला | धर्मशाला
समर न्यूज

धर्मशाला में दीपावली के बाद वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ गया है। शहर का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) अब 120 पर पहुंच गया है, जबकि पिछले वर्ष दीपावली के बाद यह स्तर 109 दर्ज किया गया था। प्रदेश के 12 शहरों में हुई एक्यूआई मॉनिटरिंग रिपोर्ट के अनुसार 5 शहर मॉडरेट श्रेणी में और 7 शहर संतोषजनक श्रेणी में पाए गए हैं। चिंताजनक बात यह है कि इस बार गुड श्रेणी में प्रदेश का एक भी शहर शामिल नहीं है।

हिमाचल के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में बद्दी पहले स्थान पर, जबकि दीपावली के बाद धर्मशाला चौथे स्थान पर पहुंच गया है। अगस्त–सितंबर में यहां पीएम-10 का स्तर क़रीब 50 माइक्रोन के आसपास था, तब धर्मशाला संतोषजनक श्रेणी में आता था। हिमाचल प्रदेश स्टेट पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड, धर्मशाला के प्रिंसिपल साइंटिफिक ऑफिसर संजीव शर्मा ने बताया कि दीपावली से पहले धर्मशाला का एक्यूआई 61 के करीब था, जो पटाखों और आतिशबाजी के बाद लगभग दोगुना होकर 120 तक पहुंच गया।

संजीव शर्मा के अनुसार सरकार ने भले ही ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति दी हो, लेकिन इनसे भी 30-40 स्तर तक प्रदूषण होता है, जबकि सामान्य पटाखे 100 तक एक्यूआई लेवल बढ़ा देते हैं। बढ़ते एक्यूआई से साफ संकेत है कि लोगों ने प्रतिबंधित पटाखों का भी इस्तेमाल किया।

दीपावली के दौरान डमटाल में भी स्टडी की गई, जहां उद्योग बंद होने के बावजूद एक्यूआई 97 दर्ज किया गया। अधिकारियों का कहना है कि पठानकोट क्षेत्र से आने वाली धूल इसका कारण है।

धर्मशाला में इस बार पीएम 2.5 बड़ा कारण : प्रदूषण बोर्ड की कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी पूजा कौंडल के अनुसार 13 से 27 अक्टूबर तक एक्यूआई मॉनिटरिंग की जा रही है। इस बार धर्मशाला में पीएम-10 कम, लेकिन पीएम 2.5 अधिक पाया गया, जिसके कारण एक्यूआई पिछले साल की तुलना में तेज़ी से बढ़ा है। पंजाब और दिल्ली में पराली और स्थानीय विकास कार्य भी हवा की गुणवत्ता को प्रभावित कर रहे हैं।

गैस प्रदूषण कम, लेकिन डस्ट बड़ी समस्या : बोर्ड के अनुसार हिमाचल में सल्फर डाइऑक्साइड और नाइट्रोजन ऑक्साइड जैसी गैसें सीमित मात्रा में हैं, लेकिन डस्ट और बारीक कण (PM 10 व PM 2.5) फेफड़ों तक पहुंचकर गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकते हैं।

दो दिनों में पुलिस ने पकड़ा 28 ग्राम चिट्टा, तीन तस्कर गिरफ्तार

मंजूर | डलहौजी
समर न्यूज

हिमाचल प्रदेश पुलिस नशे के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। चंबा पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन यूनिट (SIU) ने दो दिनों में अलग-अलग अभियानों में कुल 28 ग्राम चिट्टा बरामद कर तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है।

पहली कार्रवाई में पुलिस टीम ने पर्यटन नगरी डलहौजी के बनीखेत मार्ग पर पंजाब से आए दो युवकों को 11.28 ग्राम चिट्टे के साथ गिरफ्तार किया। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।एसपी चंबा अभिषेक यादव ने बताया कि पिछले दो दिनों में पुलिस को चिट्टा तस्करों के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि पुलिस का फोकस विशेष रूप से डलहौजी-बनीखेत क्षेत्र पर है, जहां पंजाब से आने वाले तस्कर पर्यटक बनकर चिट्टा सप्लाई करने की कोशिश करते हैं।

यादव ने कहा, "दो दिनों में हमारी टीम ने 28 ग्राम चिट्टा पकड़ा है और तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। बड़े माफियाओं तक पहुंचने के लिए पुलिस की जांच जारी है। सर्दियों के दौरान विशेष अभियान चलाकर चिट्टा नेटवर्क को तोड़ा जाएगा।"

एबीवीपी का 46वां प्रदेश अधिवेशन गुप्त गंगा कांगड़ा में बनेगा छात्रशक्ति का केंद्र

राहुल चावला | धर्मशाला
समर न्यूज

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद हिमाचल प्रदेश का 46वां प्रदेश अधिवेशन इस बार कांगड़ा के गुप्त गंगा में भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। तीन दिवसीय यह आयोजन 31 अक्टूबर से 2 नवंबर तक चलेगा। अधिवेशन में प्रदेशभर से पांच सौ से अधिक प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। एबीवीपी के प्रदेश मंत्री नैंसी अटल ने धर्मशाला में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यह अधिवेशन छात्रशक्ति का प्रतीक बनने जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हिमाचल के 19 संगठनात्मक जिलों से प्रतिनिधि इस आयोजन में भाग लेंगे। अधिवेशन स्थल पर विशेष "लघु हिमाचल दर्शन" भी लगाया जाएगा, जिसमें प्रदेश की सांस्कृतिक झलक देखने को मिलेगी। उन्होंने कहा कि अधिवेशन के दौरान विद्यार्थी परिषद की वर्षभर की गतिविधियों शैक्षिक, रचनात्मक और आंदोलनात्मक कार्यों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। वहीं, प्रदेश मंत्री अपने वार्षिक प्रतिवेदन के जरिए पूरे वर्ष के कार्यों का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत करेंगे।नैंसी अटल ने कहा कि अधिवेशन में कई अहम निर्णय भी लिए जाएंगे। एबीवीपी की प्रदेश मंत्री नैंसी अटल ने कहा कि तीन दिवसीय इस अधिवेशन में नए प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश मंत्री का चयन किया जाएगा। साथ ही शिक्षा व्यवस्था और सामाजिक मुद्दों पर आधारित दो प्रमुख प्रस्ताव पारित किए जाएंगे, जिनमें परिषद की स्पष्ट भूमिका तय की जाएगी।प्रदेश मंत्री नैंसी अटल ने कहा कि यह अधिवेशन न केवल संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि छात्रशक्ति और समाज के समन्वय का प्रतीक भी बनेगा। उन्होंने कहा कि गुप्त गंगा का यह अधिवेशन हिमाचल की छात्रशक्ति की एक झलक पेश करेगा। यहां पूरे प्रदेश का लघु हिमाचल दर्शन होगा, और संगठन के कार्यों की सार्थक समीक्षा भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि कांगड़ा जिले के कार्यकर्ता बीते डेढ़ महीने से इस अधिवेशन की तैयारियों में जुटे हैं। समाज के विभिन्न वर्गों, पूर्व कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों का उत्साहपूर्ण सहयोग आयोजन को विशेष बना रहा है।

जरासू जोत में बर्फबारी का कहर

हिमखंड की चपेट में आई 250 भेड़-बकरियाँ, दो भेड़पालक बाल-बाल बचे

मंजूर | चम्बा
समर न्यूज

बड़ा भंगाल से होली होते हुए कांगड़ा की ओर जा रहे भेड़पालकों पर मंगलवार को चम्बा जिले के जरासू जोत में बर्फबारी कहर बनकर टूटी। अचानक गिरे हिमखंड (स्नो स्लाइड) की चपेट में आने से करीब 250 भेड़-बकरियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो भेड़पालक, जो जिला कांगड़ा के निवासी बताए जा रहे हैं, सुरक्षित बच निकलने में सफल रहे। घटना की सूचना मिलते ही न्याग्रां पंचायत से एक रेस्क्यू टीम तुरंत जरासू जोत के लिए रवाना हुई। टीम ने कठिन मौसम और दुर्गम रास्तों के बावजूद रेस्क्यू अभियान चलाकर दोनों भेड़पालकों और बची हुई भेड़-बकरियों को सुरक्षित रूप से होली तक पहुँचाया।स्थानीय प्रशासन ने बताया कि मौसम विभाग की चेतावनी के बावजूद कई भेड़पालक ऊँचे पर्वतीय मार्गों से गुजर रहे थे, जिससे जोखिम बढ़ गया है। प्रशासन ने सभी पशुपालकों से अपील की है कि वे फिलहाल ऊँचाई वाले क्षेत्रों में मौसम सुधरने तक न जाएँ।

प्रशासन की अपील : पर्वतीय मार्गों में बर्फबारी और हिमखंड गिरने का खतरा बना हुआ है। कृपया अपने पशुओं सहित सुरक्षित स्थलों पर रुकें और मौसम विभाग के ताजा अलर्ट का पालन करें।

लुधियाना में एनएच-44 पर भीषण सड़क हादसा, पांच वाहन आपस में भिड़े

» कार और ट्रक की टक्कर के बाद हुआ हादसा, एक के बाद एक वाहन आपस मे टकराये
» हादसे के दौरान लगा लंबा जाम, ट्रैफिक पुलिस ने मौके पर पुहंच खुलवाया

अशवनी पाहवा/लुधियाना
समर न्यूज

जालंधर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) पर बुधवार सुबह करीब 9:30 बजे लाडोवाल चौक के नजदीक एक भीषण सड़क हादसा हो गया। बताया जा रहा है कि एक मोड़ पर मुड़ रही कार को तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि उसके बाद पीछे आ रहे चार अन्य वाहन भी एक के बाद एक आपस में टकरा गए। हादसे में एक इंडियन ऑयल का टैंकर भी शामिल था, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में ऑयल टैंकर के शामिल होने से लोगों में भय फैल गया कि कहीं तेल का रिसाव न हो जाए। हालांकि राहत की बात यह रही कि टैंकर पलटा नहीं और कोई रिसाव नहीं हुआ, जिससे बड़ा हादसा टल गया। राहगीर दीपक कुमार ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ लुधियाना से जालंधर की और जा रहा था। तभी उसने देखा कि जैसे ही एक कार मुड़ने लगी, सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उसे जोर से टक्कर मार दी। इससे कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। टक्कर के तुरंत बाद ट्रक के पीछे आ रहा इंडियन ऑयल का टैंकर भी अपना संतुलन नहीं रख पाया और आगे चल रहे ट्रक से जा भिड़ा। टैंकर के पीछे दो और वाहन—एक ट्रक और एक छोटी कार-भी एक-दूसरे से टकरा गए।

हादसे में सबसे पहले टक्कर मारने वाला ट्रक चालक मामूली रूप से घायल हुआ है, जबकि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कुल मिलाकर दो कारें और तीन ट्रक इस दुर्घटना में शामिल रहे। हादसे के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया। सूचना मिलते ही थाना लाडोवाल और ट्रैफिक पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल ट्रक ड्राइवर को निजी अस्पताल में पुहंचाया, वही क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात बहाल किया।

ठा. ठा. ठा... दशहरे से लेकर दिवाली तक गोलियां चलने के कुल 10 इतने मामले जिसमें 4 की गई जान

सुनील शिंगार/ अशवनी पाहवा,
समर न्यूज | लुधियाना

ठा. ठा. ठा... बीते 20 दिनों से महानगर में ऐसी ही आवाज़ कई जगह पर सुनने को मिली। यह आवाज गोलियों की है जो कि इन दोनों महानगर में आम हो चुकी हैं। बड़ी बात यह है कि दशहरे से लेकर दिवाली तक महानगर में कुल गोली चलने के 10 मामले सामने आ चुके हैं जिसमें तीन लोगों को अपनी जिंदगी से हाथ भी धोना पड़ा। पर ऐसा माहौल महानगर के लोगों के लिए ज्यादा सुखद नहीं है। पुलिस चाहे वारदात के बाद आरोपियों को लगातार गिरफ्तार कर रही है लेकिन कहीं ना कहीं इस माहौल में महानगर के लोग खुद को असुरक्षित मानते हैं।

अवैध असलाह भी दे रहा बढ़ावा

महानगर में अवैध असलाह के साथ पुलिस सैकड़ो ही आरोपियों को पकड़ चुकी है। बड़ी बात यह है कि जितनी भी बड़ी वारदातें हुई है उन सभी में बदमाशों द्वारा अवैध असलाह का ही इस्तेमाल किया गया। ऐसे में अवैध असलाह महानगर में कहीं ना कहीं सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान खड़ा कर रहा है तो यह लोगों के लिए जानलेवा भी साबित हो रहा है। बीते दिनों भी लुधियाना के जमालपुर इलाका साहनेवाल सहित अन्य इलाका में चली गोलियां भी इसी बात का सबूत है।

यूपी बिहार व एमपी से आता है असलाह : पुलिस अधिकारियों की माने तो यह अवैध असलाह यूपी बिहार और एमपी से ही पंजाब के अलग-अलग जिलों में पहुंचता है। इन असलाह सप्लाई करने वालों का नेटवर्क तोड़ना पुलिस के लिए एक चुनौती बना हुआ है। क्योंकि यह छातीर लोग बड़े ही चतुराई के साथ असलाह पंजाब में पहुंचा देते हैं।

अधिकारियों के मुताबिक अवैध असलाह बेचने वाले इसके एवरेज में 20 से 50 हजार रुपए लेते हैं। नाम न छापने की शर्त पर पुलिस अधिकारी ने बताया कि ऐसे ही नेटवर्क को ब्रेक करने के लिए कमिश्नरेट पुलिस लगातार काम कर रही है।

केस हिस्ट्री

दशहरे वाले दिन जमालपुर में युवक की गोली मारकर हत्या।
दशहरे वाले रात ही मोती नगर में भी एक युवक की गोली मारकर हत्या की गई।
साहनेवाल इलाका में कांग्रेसी नेता के भाई की गोली मारकर हत्या।
इसके बाद टिब्बा रोड इलाका में एक शादी समारोह में गोलियां चली।
ढाबा के इलाका में प्रॉपर्टी कारोबारी के घर पर ताबड़तोड़ चली गोलियां।
20 अक्टूबर को जमालपुर इलाका में गोलियां चली।
पीएयू के इलाका में युवक की गोली मारकर हत्या।

सिर में गोली लगने से हुई थी अमित की मौत, पोस्टमार्टम में हुआ खुलासा

» दीपावली की रात घर के बाहर कार में से सामान निकालते समय गिरा, अस्पताल में पुहंचने पर तोड़ा दम » तीन बहनों का इकलौता भाई था मृतक अमित

अशवनी पाहवा | लुधियाना
समर न्यूज

दीपावली की रात थाना पीएयू के इलाके पंजपीरा चौक के पास एक घर में खुशियां मनाते समय मातम छा गया, जब परिवार के इकलौते बेटे की अचानक से मौत हो गई। जिसके बाद थाना पीएयू की पुलिस ने मृतक युवक के शव को सिविल अस्पताल में पहुंचाया। जहां बुधवार को शव का तीन डॉक्टरों ने पोस्टमार्टम किया। पोस्टमार्टम में सामने आया कि मृतक अमित की मौत सिर में गोली लगने से हुई थी। जिसे डॉक्टरों ने बाहर निकाल पुलिस को सौंपा। बताया जा रहा है

मृतक अमित की फ़ाइल फ़ोटो

कि .45 की गोली लगने से अमित की मौत हुई थी। वही यह भी बताया जा रहा है कि पुलिस ने घटनास्थल पर मौजूद कुछ युवकों को हिरासत में लिया हुआ है, जिनसे पुलिस लगातार पूछताछ कर रही है।

जानकारी के अनुसार दीपावली की रात करीब 9:00 बजे अमित अपने दोस्तों के साथ घर के बाहर पटाखे चला रहा था,इसी दौरान वह घर के बाहर खड़ी कार में से सामान निकाल रहा था। तभी अचानक से वह गिर पड़ा, जिसके बाद उसके दोस्तों ने परिजनों की सहायता से उसे नजदीकी अस्पताल पुहंचाया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित किया। जांच अधिकारी एएसआई अमरीक सिंह ने बताया कि मृतक युवक अमित मोबाइल रिपेयरिंग का काम करता था। वह तीन बहनों का इकलौता भाई था। करीब 5 साल पहले उसकी शादी हुई थी जिसके यहां 4 साल का बेटा और 6 महीने की बेटी थी। अमित की मौत के बाद इलाके में मातम छा गया।

रेल यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए खुद प्लेटफार्म पर पहुंचे फिरोजपुर मंडल अधिकारी

» छठ पूजा के लिए यूपी-बिहार जाने वाली रूटीन ओर स्पेशल ट्रेनों में यात्रियों को न हो परेशानी इसलिए मंडल अधिकारी सीसीटीवी कंट्रोल रूम से भी रख रहे निगाह

सुनील शिंगार, लुधियाना
समर न्यूज

छठ पूजा के लिए इन दिनों यूपी बिहार जाने वाले प्रवासी मजदूर रेलवे स्टेशन पहुंच रहे हैं। इन यात्रियों के लिए कई रूटिंग गाड़ियां है जबकि 11 त्योहार स्पेशल ट्रेनें चलाई गई हैं जिनसे 21 तारीख को 88 हजार से भी ज्यादा यात्री फिरोजपुर मंडल के 108 रेलवे स्टेशनों से प्रस्थान किया। ऐसे में यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए फिरोजपुर मंडल के अधिकारी खुद प्लेटफार्म पर आ खड़े हुए हैं। मंडल अधिकारी यात्रियों की सुविधाओं के लिए उनको खुद व स्टाफ सहित सहायता करने के लिए मौजूद है तो सुरक्षा की बात की जाए तो सीसीटीवी कैमरा के कंट्रोल रूम में भी लगातार सुरक्षा व्यवस्था के लिए काम किया

फिरोजपुर मंडल के सीनियर डीसीएम परमदीप सैनी ढंडारी रेलवे स्टेशन पर मौजूद।

जा रहा है। इसके अलावा रेल यात्रियों के लिए वेटिंग हॉल, मेडिकल सुविधा और हेल्प डेस्क का भी पुख्ता प्रबंध किया गया है जो कि पहली बार बड़े स्तर पर है।

आरपीएफ व जीआरपी भी तैनात

यात्रियों की सहायता के लिए जहां रेलवे कर्मचारी और अधिकारी तैनात है तो वहीं पर आरपीएफ और जीआरपी के अधिकारी और कर्मचारी भी इन दिनों तर्क हैं। आरपीएफ और जीआरपी के सीसीटीवी कैमरा कंट्रोल रूम पर भी 24 घंटे सतर्कता से ड्यूटी की जा रही है तो रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा के लिए लगातार मेटल डिटेक्टर व डॉग स्क्वायड से यात्रियों के सामान की जांच की जा रही है।

वही बार-बार अनाउंसमेंट कर भी यात्रियों को सूचना दी जा रही है कि किसी भी शक्की व्यक्ति या समान का पता चलते ही तुरंत पुलिस को सूचना दी जाए। वही रेलवे का खुफिया विभाग भी इन दोनों रेलवे स्टेशन पर काफी तर्क है।

आज चलने वाली स्पेशल ट्रेनें

23 अक्टूबर को तीन त्यौहार स्पेशल रेलगाड़ियों का संचालन किया जाएगा। त्यौहार स्पेशल 05006 अमृतसर से बढ़नी के लिए दोपहर 12:45 बजे, त्यौहार स्पेशल 04656 जो लुधियाना से सुपौल के लिए सुबह 11:30 बजे तथा त्यौहार स्पेशल 04660 लुधियाना से कटिहार के लिए शाम 16:50 बजे चलेगी। मइन अनारक्षित गाड़ियों की टिकट के लिए रेलवे स्टेशन पर टिकट काउंटर की संख्या भी बढ़ाई गई है तो यात्रियों की सहायता के लिए टिकट चेकिंग स्टाफ भी मौजूद है।

हमारी टीम यात्रियों की सुविधा के लिए लगातार काम कर रही है

छठ पूजा और त्योहारों के चलते अचानक ही यात्रियों की संख्या बड़ी है जिसके लिए स्पेशल ट्रेन भी चलाई गई है। यात्रियों की सुविधा के लिए हमारी टीम लगातार काम कर रही है। यात्रियों को भी चाहिए कि वह रेल नियमों की पालना करें और वह किसी भी तरह का ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें।

संजीव कुमार, डीआरएम, डी फिरोज़पुर मंडल।

दिवाली की रात शहर में 600 से ज्यादा लड़ाई-झगड़े, सिविल अस्पताल में हुई 305 एमएलआर तो 26 लोग पटाखों से जले

अशवनी पहवा, लुधियाना
समर न्यूज

इस बार दो दिन तक मनाई गई दिवाली में लड़ाई झगड़ों के रिकॉर्ड तोड़ मामले सामने आए हैं। वैसे तो 20 व 21 अक्टूबर को शहर में 600 से ज्यादा लड़ाई झगड़े के मामले होने की बात सामने आई है जबकि सिविल अस्पताल में लड़ाई झगड़े के 305 मामले सामने आए हैं। बाकी मामलों में घायल लोग महानगर के अन्य प्राइवेट अस्पतालों में अपने इलाज करवाने के लिए पहुंचे। सिविल अस्पताल में इन 305 घायल मरीजों में से 34 मरीज ऐसे हैं जिनकी हालत गंभीर होने के कारण उनके दूसरे अस्पतालों में भेज दिया गया। वहीं दिवाली की रात पटाखों के कारण झूलसे हुए 26 लोग भी सिविल अस्पताल पहुंचे जिनमें से भी 13 ऐसे थे जिनकी हालत नाजुक ही और उनको बड़े अस्पतालों में रेफर किया गया। इसके अलावा तीन दर्जन से भी ज्यादा लोग ऐसे अस्पताल पहुंचे जिनको पटाखों के धुएं के कारण

सांस लेने में दिक्कत आई।

डॉक्टरों के अनुसार झुलसने वाले ज्यादातर मरीज बच्चे और युवा थे, जिन्होंने पटाखे फोड़ते समय लापरवाही की। कुछ मामलों में कपड़ों में आग लगने, पटाखे फटने में देरी होने, या पास खड़े रहने के कारण हादसे हुए जिसमें हाथ, चेहरा और आंखें झुलस गईं।

लड़ाई झगड़ों के ज्यादातर मामले पीएयू, ग्यासपुरा, टिब्बा रोड, हैबोवाल, दरेसी, गिल चौक, दुगरी, समराला चौक और जमालपुर जैसे इलाकों से सामने आए हैं। लड़ाई झगड़ों के बाद अस्पताल से इलाज करवाने और अपनी मेडिको लीगल रिपोर्ट बनवाने के बाद कई लोगों ने थाना पुलिस को शिकायत दी जबकि कई लोग बिना शिकायत के ही राजीनामा कर चुके हैं।

फैक्ट्री कर्मचारी की हत्या कर फेंका शव, मालिक सहित अन्य पर मामला दर्ज

अशवनी पहवा / लुधियाना
समर न्यूज

अब्दुल्लापुर बस्ती में रहने वाले एक 38 वर्षीय फैक्टरी वर्कर की उसी के फैक्टरी मालिक ने हत्या कर उसे रेलवे क्वार्टर के पास फेंक दिया। पीड़ित परिवार के बयानों के बाद थाना माडल टाउन की पुलिस ने फैक्ट्री मालिक व उसके साथियों पर हत्या का मामला दर्ज कर शव का सिविल अस्पताल में से पोस्टमार्टम करवाया। जहा सामने आया कि फैक्टरी वर्कर को बेरहमी से पीटा गया था। वही उसके पेट मे चाकू से वॉर किया गया था।

मृतक व्यक्ति की पहचान जसविंदर सिंह उर्फ प्रिंस के रूप में हुई। वह टेक्सटाइल फैक्ट्री में काम करता था। जानकारी के अनुसार जसविंदर सिंह 10 अक्तूबर के बाद से बीमार होने के कारण फैक्ट्री नहीं गया था। मृतक के भाई कुलविंदर सिंह ने पुलिस को बताया कि उनके भाई को फैक्ट्री मालिक गोल्डी ने कई बार फोन कर काम पर आने के लिए कहा, लेकिन तबीयत ठीक न होने के कारण वह

मृतक जसविंदर सिंह प्रिंस की फाइल फोटो

नहीं गया। इसी बात से नाराज होकर गोल्डी ने अपने 7–8 साथियों के साथ मिलकर प्रिंस के साथ मारपीट की। परिजनों का कहना है कि प्रिंस उन्हें रेलवे क्वार्टर के पास बेसुध हालत में मिला। उसे तुरंत सीएमसी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद मामले की सूचना थाना मॉडल टाउन की पुलिस को दी गई।

कुलविंदर ने बताया कि प्रिंस एक सीधा-सादा इंसान था और उसका किसी से कोई झगड़ा नहीं था। उसकी अभी शादी नहीं हुई थी और वह परिवार का मुख्य सहारा था। पोस्टमार्टम में स्पष्ट हुआ कि उसके शरीर पर कुल 8 घाव थे। वही उसके हाथ और पांव के साथ साथ छाती की हड्डियां टूटी हुई थी। पोस्टमार्टम में यह भी सामने आया कि मारपीट के दौरान प्रिंस के पेट मे तेजधार हथियार से भी हमला किया गया था।

थाना मॉडल टाउन पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फैक्ट्री मालिक गोल्डी सहित 8 अज्ञात युवकों के खिलाफ धारा 105, 115(2), 351(2) BNS के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

तरनतारन उपचुनाव को लेकर भाजपा में तैयारियां तेज, जिला अध्यक्ष रजनीश धीमान ने वर्करों की ड्यूटियां लगाईं

अशवनी पहवा/लुधियाना
समर न्यूज

तरनतारन उपचुनाव को लेकर भाजपा ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इस संबंध में लुधियाना भाजपा कार्यालय में एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता जिला भाजपा अध्यक्ष रजनीश धीमान ने की। बैठक में आगामी उपचुनाव की रूपरेखा तैयार की गई और लुधियाना के भाजपा कार्यकर्ताओं की ड्यूटियां तय की गईं ताकि चुनाव प्रचार को गति दी जा सके।

बैठक के दौरान रजनीश धीमान ने कहा कि आज पंजाब की जनता आप सरकार की नाकामियों से त्रस्त हो चुकी है। उन्होंने कहा कि "पंजाब में आई हालिया बाढ़ ने राज्य सरकार की पोल खोल दी है।

सरकार पीड़ितों की मदद करने में पूरी तरह विफल रही, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तुरंत राहत फंड जारी कर किसानों और प्रभावित लोगों की सहायता सुनिश्चित की।"

धीमान ने कहा कि इन परिस्थितियों में पंजाब की जनता अब भाजपा को एक मजबूत विकल्प के रूप में देख रही है। उन्होंने कहा कि "2027 के विधानसभा चुनावों में भाजपा राज्य में अपनी सरकार बनाने को तैयार है, और तरनतारन उपचुनाव इस दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा।"

इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री नरेंद्र सिंह मल्ली, यशपाल जनोत्रा, जिला उपाध्यक्ष मनीष चोपड़ा, सौरव कपूर, किसान मोर्चा के प्रधान सुखदेव सिंह गिल, मंडल/सर्कल प्रधान गौरव अरोड़ा, वैभव गर्ग सहित अन्य पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बैठक में कार्यकर्ताओं को उपचुनाव में भाजपा के संदेश को जनता तक पहुंचाने और पार्टी के विजन को मजबूत तरीके से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

फौजी कॉलोनी में हुई हत्या के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार, आरोपी से हथियार भी बरामद

अशवनी पाहवा / लुधियाना
समर न्यूज

थाना मोती नगर की पुलिस ने दशहरा पर्व हुए फौजी कॉलोनी में मोनू नामक युवक की हत्या का मामले का पर्दाफाश करते हुए एक आरोपी को हथियार सहित गिरफ्तार कर लिया है।

सीआईए इंचार्ज इंस्पेक्टर अवतार सिंह ने थाना मोती नगर के प्रभारी एसआई भूपिंदर सिंह की टीम ने गहन जांच के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया।

जांच के दौरान 18 अक्टूबर 2025 को शिकायतकर्ता रामजी प्रसाद के बयान के आधार पर पुलिस ने विशाल ठाकुर पुत्र कामेश्वर ठाकुर निवासी न्यू मायापुरी को नामजद कर आरोपी बनाया और धारा 61(2) BNS भी जोड़ी। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी विशाल ठाकुर को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी से एक .32 बोर की देसी पिस्तौल, दो मैगज़ीन, 15 जिंदा राउंड और एक .315 बोर का देसी कट्टा बरामद किया गया है। आरोपी को 23 अक्टूबर 2025 तक पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस का कहना है कि मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है और आगे की जांच चल रही है।

4 किलो अफीम सहित आरोपी काबू, ट्रक में रख ले जा रहा था डिलीवर करने

अशवनी पहवा,लुधियाना
समर न्यूज

"युद्ध नशा विरुद्ध" के तहत लुधियाना पुलिस को एक बार फिर से बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने मंगलवार को स्पेशल सेल के इंचार्ज इंस्पेक्टर नवदीप सिंह की अगुवाई में मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए रुपिंदरजीत सिंह उर्फ बिट्टा पुत्र बलदेव सिंह निवासी गांव शंकर थाना डेहलौं को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने आरोपी को विश्कर्मा पार्क के पास संधू चिकन के समीप रेड कर पकड़ा। आरोपी के पास से ट्रक नंबर PB-10-GW-5565 को जब्त किया गया। ट्रक की तलाशी लेने पर पुलिस ने 4 किलोग्राम अफीम बरामद की। इस संबंध में थाना डिवीजन नंबर 6 लुधियाना में एफआईआर नंबर 233, दिनांक 21.10.2025 के तहत धारा 18, 18C-61-85 NDPS एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। बरामद

की गई अफीम की मात्रा नशे के अवैध कारोबार का बड़ा संकेत देती है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहाँ से उसका पुलिस रिमांड लिया गया है।पुलिस आरोपी से पूछताछ कर यह जानने की कोशिश कर रही है कि वह यह अफीम कहाँ से लाता था और किन व्यक्तियों तक सप्लाई करता था। साथ ही, यह भी जांच की जा रही है कि उसने नशे की कमाई से कौन-सी संपत्तियाँ, वाहन या अन्य कीमती सामान खरीदे हैं। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद आरोपी की अवैध संपत्तियों को जब्त कर नशे के आर्थिक नेटवर्क को जड़ से खत्म किया जाएगा, ताकि ऐसे अवैध कारोबारों पर सख्त रोक लगाई जा सके।

किसी से ना कहना

बस एक ही ख्वाहिश! एक दिन मीडिया में मेरी भी ऐसी ही तस्वीर घूमे!

5 करोड़, 10 करोड़ का सोना! नाटक, डिग्रियाँ और किताबों का पहाड़ खड़ा किया, साठ साल की ज़िंदगी में पचास साल मेहनत की, लेकिन पचास लाख एक साथ कभी नहीं देखे। हर बार कुछ बनाने लगा, तो या तो बेटी की ज़रूरत के लिए कुछ बेचना पड़ा, या लोन लेना पड़ा, या एफडी तुड़वानी पड़ी।
कल ही स्विस टैगहोर वॉच जो 80 हजार की आती है उसकी फर्स्ट कॉपी मैंने आठ हज़ार रुपये में खरीदी है - और उसी सिस्टम में एक पुलिसवाला, एक नेता, जिसे डकैती का "डी" भी नहीं आता, वो करोड़ों में खेलता और रमता है!
उसे कोई डिग्री नहीं चाहिए - बस ज़मीर मारना है, शर्म को खूंटे पर टांग देना है, किसी बड़े नेता का पालतू बनकर खुद खाना है और उसे भी खिलाना है। विरोधियों को ठोकना है, बोलने वालों को बाखूब डराना है। लूटना है उन आम लोगों को, जो हर पाँच साल बाद फिर से बेवकूफ़ बन जाते हैं।
आपको लगता है ये जो भुल्लर भाई साब जो करता रहा, अपनी मर्ज़ी से करता रहा? नीचे से ऊपर तक सैकड़ों सरपरस्त होंगे उसके। ये देश की राजनीति और सिस्टम की सबसे बड़ी ट्रैजेडी नहीं, सबसे बड़ा कॉमेडी शो है - "बेशर्मी अनलिमिटेड"।
सिस्टम इतना बीमार है कि अब हर किसी को बीमार कर रहा है। भुल्लर जैसे लोग देखकर कितने पुलिसवाले हिम्मत पकड़ते होंगे और कितने कट्टर ईमानदार अफ़सर टूट जाते होंगे - ये कोई नहीं सोचता।
याद रखिए, संत और सूरमा नेक लोगों के रोल मॉडल होते हैं, पर कमज़ोर, कामचोर और हाबड़ू लोगों के रोल मॉडल हमेशा भुल्लर टाइप ही होते हैं।
भुल्लर आधा सच नहीं, पूरा सच है - वो सच जो झूठ को ताकत देता है और सच्चाई को शर्मिंदा करता है। वो सच जो इंसान का अपने अतीत, वर्तमान और भविष्य पर भरोसा तोड़ देता है। क्योंकि जब लोग भुल्लर जैसी शान देखते हैं, तो सोचने लगते हैं -"नैतिकता-वैतनिकता कुछ नहीं होती, मौक़ा मिले तो खूब जमकर लूटो!"
अरे यार, आप हँसिए मत, पर मैं आज सच में जरा हटके सोच रहा हूँ - अब या तो कोई डेरा खोल लिया जाए, या बागड़ टाइप का बाबा बनकर प्रवचन की दुकान खोल लूं और फिर किसी ट्रस्ट टाइप संस्था के तले एजुकेशनल इंस्टीट्यूट खोल लूं, क्या है मूड भी फ्रेश होता रहेगा, हां खुफिया कैमरा भी काम आएगा या फिर 'कट्टर ईमानदार' बनकर इतना काबिल हो जाया जाए कि एक दिन इडी-बीड़ी मेरे घर छापा मारने आए - और आए भी तो दो-चार मशीन लेकर गिनने के लिए! यार बहुत हो गई ईमानदारी शीमानदारी इससे ऊब चुका है अपना मुलुक - अब तो मुझे सपनों में भी ईडी-बीडी की रेड चाहिए!

कैंपस में बढ़ती यौन हिंसा, जब संस्थान खुद बन जाते हैं मौन अपराधी

भारत के विश्वविद्यालय और कॉलेज, चाहे वे किसी भी राज्य या भाषा से जुड़े हों, यौन उत्पीड़न के मामलों में उनकी प्रतिक्रिया हमेशा एक जैसी होती है - चुप्पी, टालमटोल और पीड़िता पर नियंत्रण।
उच्च शिक्षा संस्थान आज ज्ञान के मंदिर कम और भय के गलियारे ज़्यादा बनते जा रहे हैं। यह विडंबना है कि जहां विचार और स्वतंत्रता का विकास होना चाहिए, वहीं छात्राओं की सुरक्षा रोज़ दांव पर लगती है।
कोलकाता के आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या, IIT-BHU में गैंगरेप, दुर्गापुर और बेंगलुरु में छात्राओं पर हमले - ये घटनाएं अलग-अलग शहरों की हैं, पर कहानी एक ही है:
संस्थान पहले रिपोर्ट दबाते हैं, फिर औपचारिक "समीक्षा समिति" बना लेते हैं, और अंततः पीड़ित को ही कठघरे में खड़ा कर देते हैं। IIT-BHU में 2023 के गैंगरेप मामले में आरोपी महीनों तक फरार रहे, जबकि यूनिवर्सिटी ने न्याय मांगने वाले 13 छात्रों को "अनुशासनहीनता" के लिए निलंबित कर दिया।
RG कर मेडिकल कॉलेज में विरोध करने वाले डॉक्टरों पर भीड़ ने हमला किया, और प्राचार्य ने "सोशल मीडिया आलोचना" से दुखी होकर इस्तीफा देकर दूसरी पोस्टिंग पा ली। क्या यही है "ज़ीरो टॉलरेंस" नीति?

कानून हैं, लेकिन इच्छाशक्ति कहां है
भारत में 2013 का POSH अधिनियम और UGC के 2015 दिशा-निर्देश कागज़ पर मौजूद हैं। हर विश्वविद्यालय को आंतरिक शिकायत समिति (ICC) बनानी होती है — पर असल में ये समितियां अधिकतर प्रशासन की ढाल बन चुकी हैं।
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की GSCASH समिति एक आदर्श मॉडल थी — निर्वाचित, पारदर्शी और छात्र केंद्रित। लेकिन 2017 में इसे भंग कर दिया गया और प्रशासन द्वारा नियंत्रित ICC थोप दी गई। इसके विपरीत, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों में Title IX और समकक्ष नियमों के तहत विश्वविद्यालयों पर कानूनी ज़िम्मेदारी होती है कि वे तुरंत पीड़िता के हित में कदम उठाएं - जैसे नो-कॉन्टैक्ट ऑर्डर, क्लास शेड्यूल में बदलाव, और समानांतर अनुशासनात्मक कार्रवाई। भारत में अभी भी ऐसी संवेदनशीलता एक दूर का सपना है।

सुरक्षा के नाम पर आज़ादी की सज़ा
हर हमले के बाद सबसे पहले असर महिला छात्रों पर पड़ता है - होस्टल के समय घटाए जाते हैं, मूवमेंट पर निगरानी बढ़ती है, "सुरक्षा" के नाम पर स्वतंत्रता छीनी जाती है। असल में, यह विश्वविद्यालय की असफलता को छिपाने का तरीका है।
यौन हिंसा की सज़ा पीड़िता को मिलती है, न कि आरोपी को।

मीडिया और राजनीति का विकृत खेल :
राजनीतिक नेता और मीडिया इस दर्द को और गहरा करते हैं। दुर्गापुर हमले पर ममता बनर्जी का बयान - "वह रात 12:30 बजे बाहर क्यों थी?" - वही पुराना सवाल दोहराता है जो हर बार पीड़िता से पूछा जाता है। भाजपा, ममता और सपा नेताओं के बयान भी उसी सोच को प्रतिबिंबित करते हैं - कि "लड़कियों को सावधान रहना चाहिए" बजाय इसके कि समाज को सज़ा देने की मांग की जाए। साध्वी प्रज्ञा कहती है कि अगर बेटी किसी विधर्मी के साथ जाती है तो उसकी टांगे तोड़ दो भला ये कैसी अराजकता। क्या उसे अपना जीवन जीने का अधिकार नहीं है?
मीडिया भी इस पीड़ा को सनसनीखेज तमाशा बना देता है। आरजी कर केस में चैनल "151 ग्राम तरल" जैसी झूठी बातें उछालते रहे। टीवी पर कानफाड़ू बहसें अपराधियों की नहीं, "महिला की गलती" पर केंद्रित रहीं। यही वही रवैया है जो 2013 के शक्ति मिल्स गैंगरेप के समय देखा गया था - कैमरे अस्पताल की खिड़कियों से झांकते थे, पत्रकार पहचान उजागर करने में होड़ करते थे।

आओ दिशा और सोच बदलो
अब समय है कि विश्वविद्यालय "समिति बनाने" के दिखावे से आगे बढ़ें और जवाबदेही तय करें। जो अधिकारी रिपोर्ट दबाते हैं, उन्हें सज़ा मिले; जो संस्थान विरोध करने वाले छात्रों को निलंबित करते हैं, उन पर वित्तीय और प्रशासनिक कार्रवाई हो। कानून तभी ज़िंदा रहते हैं जब उन्हें लागू किया जाए।
हमारे शिक्षण संस्थान सिर्फ़ डिग्री देने वाली जगह नहीं, बल्कि समाज के चरित्र का आईना हैं। अगर कैंपस में एक लड़की भी खुद को असुरक्षित महसूस करती है, तो यह देश की शिक्षा व्यवस्था की असफलता है।
अब "महिलाओं को घर में बंद करने" की नहीं, संस्थानों को जवाबदेह बनाने की ज़रूरत है। तभी उच्च शिक्षा का अर्थ "स्वतंत्रता" और "सम्मान" दोनों में निहित रहेगा। आओ दिशा और सोच बदलते हुए समाज में वैचारिक स्वच्छंदता और आजादी का प्रसार करें।

आपके टूथब्रश पर होते हैं करोड़ों बैक्टीरिया, कब इसे बदल देना चाहिए?

हम रोज़ाना अपने दांतों और मसूड़ों की सफाई के लिए टूथब्रश का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपका टूथब्रश खुद एक सूक्ष्मजीवों (माइक्रोब्स) का छोटा-सा इकोसिस्टम बन जाता है? हर दिन इसके महीन रेशों में लाखों बैक्टीरिया और फंगस पनपते हैं। यदि इसे समय-समय पर बदलकर सही ढंग से रखा न जाए, तो यह हमारे स्वास्थ्य के लिए संक्रमण का स्रोत बन सकता है।

टूथब्रश पर बैक्टीरिया क्यों रहते हैं?
टूथब्रश के रेशे और ब्रश की सतह ऐसे होते हैं जैसे सूखी जमीन। जब आप ब्रश करते हैं और इसे पानी में गीला करते हैं, तो यह "जैविक जमीन" पोषक तत्वों से भर जाती है। इस समय, रेशों के बीच लाखों जीवाणु और कवक (फंगस) सक्रिय हो जाते हैं।
एक सामान्य टूथब्रश पर लगभग 10 लाख से 1.2 करोड़ बैक्टीरिया और फंगस पाए जा सकते हैं। इनमें से अधिकांश मुंह के सामान्य बैक्टीरिया होते हैं, जो दांतों और मसूड़ों के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद भी हो सकते हैं। हालांकि, कुछ हानिकारक जीवाणु भी मौजूद हो सकते हैं, जैसे स्ट्रेप्टोकॉकी, स्टैफिलोकोकी, एस्चेरिशिया कोलाई और स्यूडोमोनास ऐरूजिनोसा, जो पेट या मसूड़ों में संक्रमण पैदा कर सकते हैं।
ब्रशिंग के दौरान टूथब्रश पर लार, पानी, त्वचा की मृत कोशिकाएं और खाने के छोटे कण भी जमा हो जाते हैं। इसके साथ ही, टॉयलेट फ्लश या बाथरूम में हवा से आने वाले सूक्ष्मजीव भी ब्रश के रेशों में बस जाते हैं।

कौन-कौन से सूक्ष्मजीव हो सकते हैं?
वैज्ञानिकों के अनुसार, टूथब्रश पर पाए जाने वाले सूक्ष्मजीवों के स्रोत मुख्यतः तीन होते हैं:
हमारे मुंह के बैक्टीरिया – रोथिया डेन्टोकारिओसा, स्ट्रेप्टोकॉकस माइटिस और एक्टिनोमायसीज़ जैसे जीवाणु।
त्वचा के जीवाणु – जो हमारे हाथों या चेहरे से ब्रश पर आ जाते हैं।
ब्रश रखने का वातावरण – खासकर बाथरूम, जो गर्म और नम होता है।
ब्राज़ील और जर्मनी में किए गए अध्ययनों में यह पाया गया है कि नए टूथब्रशों में भी कभी-कभी पहले से ही बैक्टीरिया पाए जाते हैं। इसका कारण उत्पादन या पैकेजिंग के दौरान सूक्ष्मजीवों का प्रवेश हो सकता है। अधिकतर सूक्ष्मजीव हानिकारक नहीं होते। लेकिन कभी-कभी ऐसे बैक्टीरिया और फंगस भी मौजूद हो सकते हैं, जो मसूड़ों में सूजन (पेरियोडॉन्टल डिज़ीज़), दांतों में सड़न या पेट में संक्रमण पैदा कर सकते हैं।

टॉयलेट और बाथरूम का खतरा
बाथरूम में टूथब्रश रखने से स्थिति और जटिल हो जाती है। टॉयलेट में फ्लश करने पर पानी की सूक्ष्म बूंदें (एरोसोल) हवा में फैलती हैं। इनमें बैक्टीरिया और वायरस, जैसे इन्फ्लूएंज़ा, कोरोनावायरस या नॉरोवायरस, शामिल हो सकते हैं। यदि आपका टूथब्रश फ्लश के पास रखा है, तो ये कण रेशों पर बैठ सकते हैं। हालांकि, शोध बताते हैं कि अधिकतर मल-संबंधी बैक्टीरिया लंबे समय तक जीवित नहीं रहते। फ्लश से सीधे सांस के जरिए संक्रमण का खतरा अधिक होता है। इसलिए विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि टॉयलेट सीट को ढककर फ्लश करें और ब्रश को फ्लश से दूर रखें।

संक्रमण का वास्तविक जोखिम
अध्ययन बताते हैं कि कुछ वायरस जैसे इंफ्लूएंज़ा और कोरोनावायरस टूथब्रश पर घंटों तक जीवित रह सकते हैं। हर्पीज़ सिम्प्लेक्स वायरस-1 तो 48 घंटे तक ब्रश पर रह सकता है, जिससे छालों (कोल्ड सोर्स) का खतरा बढ़ जाता है।

हालांकि, जिन लोगों की प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है, उनके लिए यह जोखिम कम होता है। रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने वाले लोग अधिक संवेदनशील होते हैं। कुछ बैक्टीरिया एंटीबायोटिक प्रतिरोधी भी हो सकते हैं, जिससे यदि संक्रमण हो जाए तो उपचार मुश्किल हो सकता है। हालांकि शोध बताते हैं कि ये ऐसे स्तर पर पाए जाते हैं जो सामान्य उपयोगकर्ताओं के लिए मध्यम चिंता का विषय हैं।

टूथब्रश को साफ़ रखने के आसान तरीके
टूथब्रश को संक्रमण से बचाने और उसकी उम्र बढ़ाने के लिए कुछ सरल उपाय हैं:
ब्रश करने के बाद हवा में सूखने दें – कमरे के तापमान पर सीधा रखना सबसे प्रभावी है।
ब्रश को ढककर या बंद कंटेनर में न रखें – इससे नमी बनी रहती है और बैक्टीरिया बढ़ सकते हैं।
टॉयलेट और बाथरूम से दूर रखें – फ्लश से उठने वाले एरोसोल से बचाव होगा।
टूथब्रश साझा न करें – अलग-अलग लोगों के ब्रश पास-पास रखने से संक्रमण फैल सकता है।
सही समय पर बदलें – लगभग 3 से 4 महीने में टूथब्रश बदल देना चाहिए। यदि रेशे घुमावदार या टूटे हुए हों, तो इसे जल्द ही बदल दें।
सर्दी-जुकाम या संक्रमण के दौरान ब्रश बदलें – बीमारी के दौरान ब्रश में रोगजनक जीवाणु अधिक सक्रिय हो सकते हैं।

कब बदलें टूथब्रश?
3–4 महीने के बाद – सामान्य उपयोग के लिए।
ब्रश के रेशे टूटे या फैल गए हों – सफाई क्षमता कम हो जाती है।
बीमारी के बाद - जुकाम, फ्लू, सर्दी या संक्रमण के बाद।
दूसरों के ब्रश के साथ मिल जाने की स्थिति में – क्रॉस-कंटैमिनेशन से बचने के लिए।
यदि आप नियमित रूप से सही तरीके से ब्रश को सुखाते हैं और समय-समय पर बदलते हैं, तो संक्रमण का खतरा बहुत कम हो जाता है।

चंडीगढ़ के कोचिंग मास्टरस्ट्रोक ने फिलीपींस को एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप में पहुंचाया

समर न्यूज | चंडीगढ़

भारतीय फुटबॉल के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज हुई है। मिनर्वा एकेडमी से जुड़े भारतीय कोच प्रद्युम रेड्डी और सुरिंदर सिंह की कोचिंग में फिलीपींस की अंडर-17 महिला राष्ट्रीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है।
टीम ने क्वालिफिकेशन चरण में दमदार प्रदर्शन करते हुए सीरिया को 5–0, ताजिकिस्तान को 2–0 और मलेशिया को 4–0 से हराया। इन जीतों ने न केवल दक्षिण-पूर्व एशियाई फुटबॉल में नया इतिहास रचा, बल्कि भारतीय कोचिंग की क्षमता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किया। यह पहला मौका है जब भारतीय कोचों के नेतृत्व में किसी विदेशी राष्ट्रीय टीम ने एशियाई महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया है।
यह सफलता मिनर्वा एकेडमी (भारत) और मकाती फुटबॉल क्लब (फिलीपींस) के बीच साझेदारी का परिणाम है। फिलीपींस टीम के मैनेजर होसे लुइस "सेलू" लोज़ानो ने मिनर्वा की कोचिंग फिलॉसफी और अनुशासनात्मक प्रणाली से प्रभावित होकर इस सहयोग की शुरुआत की। मिनर्वा एकेडमी के संस्थापक रंजीत बाजाज की सिफारिश पर लोज़ानो ने प्रो-लाइसेंसधारी कोच सुरिंदर सिंह और प्रद्युम रेड्डी को टीम की कमान सौंपी। भारतीय कोचों के नेतृत्व में फिलीपींस टीम ने मैदान पर शानदार बदलाव दिखाया - सटीक डिफेंस, संगठित खेल और धारदार अटैक के साथ यह टीम पूरी तरह बदली हुई नजर आई।
मिनर्वा एकेडमी, जो पहले ही गॉथिया कप (स्वीडन), डैना कप (डेनमार्क) और नॉर्वे कप (ओस्लो) जैसे विश्वस्तरीय युवा टूर्नामेंट जीत चुकी है, अब अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में अपनी कोचिंग फिलॉसफी को निर्यात करने में भी सफल रही है।
मिनर्वा के संस्थापक रंजीत बाजाज ने कहा, "यह केवल एक क्वालिफिकेशन नहीं है, बल्कि यह प्रमाण है कि भारतीय कोचिंग अब विश्व स्तर पर नेतृत्व और प्रेरणा देने में सक्षम है। हमारा सिद्धांत - अनुशासन, विकास और दृढ़ता - अब सीमाओं से परे गूंज रहा है।"
फिलीपींस टीम अब एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप की तैयारी में जुटी है, और यह पल भारत के लिए गर्व का क्षण बन गया है -यह साबित करते हुए कि भारतीय फुटबॉल की सोच, रणनीति और कोचिंग अब एशिया ही नहीं, बल्कि दुनिया में अपनी छाप छोड़ रही है।

पेले - फुटबॉल के राजा, जिन्होंने तीन बार जीता फीफा वर्ल्ड कप खिताब

समर न्यूज | नई दिल्ली

ब्राजील को तीन फीफा विश्व कप जिताने वाले पेले अपनी अद्भुत ड्रिब्लिंग, फिनिशिंग और खेल भावना के लिए मशहूर थे। फुटबॉल इतिहास के सबसे महान खिलाड़ियों में शुमार पेले को 'फुटबॉल का राजा' कहा जाता है।23 अक्टूबर 1940 को मिनस गेरैस राज्य के ट्रेस कोराकोस में जन्मे पेले का असल नाम 'एडसन अरांतेस डो नासिमेंटो' था। जब पेले का जन्म हुआ, तो उसी साल पहली बार उनके शहर में बिजली का बल्ब पहुंचा था। ऐसे में माता-पिता ने उनका नाम बल्ब के आविष्कारक 'थॉमस अल्वा एडिसन' के नाम पर रखा, लेकिन स्पेलिंग में 'आई' न होने के कारण उनका नाम 'एडसन' हो गया। बचपन में पेले ने आर्थिक परेशानियों का सामना किया। उनके पिता एक अर्ध-पेशेवर फुटबॉलर थे, लेकिन चोटिल होने के बाद उन्हें इस खेल से दूर होना पड़ा।
घर चलाने के लिए पिता को सफाईकर्मी का काम करना पड़ा। मां दूसरों के घरों में जाकर नौकरानी का काम करती थीं।
पेले में भी पिता के गुण थे। बचपन से ही उन्हें फुटबॉल खेलना पसंद था, लेकिन इतने पैसे नहीं थे कि जूते और फुटबॉल खरीद सकें। ऐसे में मां उन्हें कपड़े की फुटबॉल बनाकर देतीं।
एडसन अपने शहर में खेलने वाले गोलकीपर 'बिले' के नाम का उच्चारण ठीक से नहीं कर पाते थे। वह उन्हें 'पेले' कहते। शुरुआती दौर में उनके साथियों ने इसके लिए जमकर मजाक उड़ाया, लेकिन बाद में उन्हें ही 'पेले' कहकर बुलाने लगे।

आर्थिक बाधाओं का सामना करने के बावजूद पेले ने फुटबॉल खेलना जारी रखा। महज 15 साल की उम्र में उन्होंने 'सैंटोस' क्लब के साथ अनुबंध किया, जिसके बाद उनकी तकदीर ही बदल गई।
इस क्लब में शानदार प्रदर्शन के बाद पेले को महज 16 साल और 9 महीने की उम्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू का मौका मिला। पेले ने विश्व कप 1958 के क्वार्टरफाइनल में वेल्स के खिलाफ 17 साल और 239 दिन की उम्र में गोल किया था। इसी के साथ वह पुरुषों के फीफा विश्व कप में गोल दागने वाले सबसे युवा फुटबॉलर भी बने।
पेले ने 1958, 1962 और 1970 में ब्राजील को फीफा विश्व कप जिताने में अहम भूमिका निभाई।

एस.डब्ल्यू.एस क्रिकेट अकादमी पंचकूला की शानदार जीत, अग्रीम बने प्लेयर ऑफ द मैच

समर न्यूज | चंडीगढ़

एस.डब्ल्यू.एस क्रिकेट अकादमी, पंचकुला, हरियाणा ने एम.एम. क्रिकेट अकादमी, अंबाला, हरियाणा को 6 विकेट से हराकर आज यहाँ इंद्रजीत ट्राई सिटी क्रिकेट ग्राउंड और आईवीसीए क्रिकेट ग्राउंड, डेराबस्सी में खेले गए 50वें अखिल भारतीय महाराजा अग्रसेन अंडर-17 क्रिकेट ट्रॉफी के अपने लीग मैच में जीत हासिल की।एस.डब्ल्यू.एस क्रिकेट अकादमी, पंचकुला, हरियाणा के अग्रीम को प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए एम.एम. क्रिकेट अकादमी, अंबाला, हरियाणा ने 25 ओवर में 5 विकेट खोकर 179 रन बनाए। अंशनूर गिल ने सर्वाधिक 51 रन, यादव युवराज ने 46 रन, यश धीमान ने 39 रन और हृदय शर्मा ने 32 रन बनाए। गेंदबाजी करते हुए लवप्रीत सिंह और गुरवित कौशिक दोनों ने 2-2 विकेट लिए, जबकि शुभदीप राजे ने 1 विकेट लिया। जवाब में एसडब्ल्यूएस क्रिकेट अकादमी, पंचकूला, हरियाणा ने 181 रनों का लक्ष्य 21.1 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। अग्रीम ने सर्वाधिक 65 रन, प्रबसिमर सिंह ने 56 रन, तनिश चौधरी ने 24 रन और कनिश गोयल ने 19 रन बनाए। गेंदबाजी करते हुए एमएम क्रिकेट अकादमी, अंबाला के गेंदबाज विधान ने 2 विकेट लिए।
आज खेले गए दूसरे लीग मैच में सीडब्ल्यूएन अकादमी, पीरमुछल्ला, पंजाब ने लिबरल्स टीम, चंडीगढ़ को केवल 11 रनों से रोमांचक मुकाबले में हरा दिया। सीडब्ल्यूएन अकादमी, पीरमुछल्ला, पंजाब के त्रिजल गोयल को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सीडब्ल्यूएन अकादमी, पीरमुछल्ला, पंजाब ने 25 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 168 रन बनाए। कार्तिक राणा ने सर्वाधिक 41 रन, अंकन लटका ने 35 रन और अंशुमन बख्शी ने 33 रन बनाए। गेंदबाजी में लिबरल्स टीम की ओर से चंडीगढ़ के गेंदबाज विशाल दिलवाल और देवांश बोरस ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में लिबरल्स टीम चंडीगढ़ ने 25 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 157 रन बनाए और केवल 11 रन से हार गई। अमित पाल ने सर्वाधिक 51 रन, शौर्य भारद्वाज ने 35 रन और आदर्श चौधरी ने 33 रन बनाए। गेंदबाजी टीम सीडब्ल्यूएन अकादमी के गेंदबाज त्रिजल गोयल ने 21 रन देकर 4 विकेट लिए, जबकि अंकन लतका और समीर पंवार दोनों ने 2-2 विकेट लिए। कल एमएम क्रिकेट अकादमी, अंबाला, हरियाणा का सामना सनराइज क्रिकेट अकादमी, ज़ीरकपुर, पंजाब से होगा, जबकि कुरुक्षेत्र जिला क्रिकेट अकादमी, हरियाणा का सामना एसडब्ल्यूएस क्रिकेट अकादमी, पंचकुला, हरियाणा से ट्राई सिटी इंद्रजीत क्रिकेट ग्राउंड पर होगा।

दिवाली की रात चंडीगढ़ शहर वासियों ने उड़ाई कानून की धज्जियां

» 10 बजे के बाद भी चले देर रात तक पटाखे

हरजीत मठारू | चंडीगढ़
समर न्यूज

दिवाली की रात चंडीगढ़ शहर वासियों ने जमकर उड़ाई कानून की धज्जियां। जानकारी तो यह थी कि रात 10 बजे तक चलेंगे चंडीगढ़ में पटाखे मगर देखने को यह मिला की 10 तो क्या 12 बजे के करीब चलते रहे खूब पटाखे।

इस बात की जानकारी देते हुए चंडीगढ़ के सीनियर एडवोकेट रविंद्र सिंह बस्सी ने बताया कि चंडीगढ़ में देर रात तक पटाखे चलाते रहे जबकि 10बजे तक का समा निर्धारित किया गया था एडवोकेट ने बताया कि उनकी ओर से चंडीगढ़ पुलिस को कंट्रोल रूम पर कई फोन किए गए कि 10बजे के बाद भी पटाखे चलाए जा रहे हैं।

एडवोकेट ने बताया कि उन्होंने तकरीबन 12 फोन 100 नंबर पर किए ओर उच्च अधिकारियों को भी फोन किए गए मगर पुलिस की ओर से ना तो कोई पीसीआर भेजी गई और ना ही कोई रिस्पॉन्स आया। इससे क्या समझे कि चंडीगढ़ शहर वासियों को चंडीगढ़ पुलिस की या प्रशासन की कोई परवाह नहीं है या फिर प्रशासन भी अपनी दिवाली मनाने में व्यस्त था।

दिवाली की रात पटाखों से जलने से 22 बच्चे हुए जख्मी, मोहाली के सिविल अस्पताल में भर्ती

हरजीत मठारू | मोहाली
समर न्यूज

दिवाली की रात मोहाली में आतिशबाजी चलाने के कारण बच्चों समेत कई बड़े हुए जख्मी जिनका इलाज के लिए मोहाली के सिविल हॉस्पिटल फेस 6 में लाया गया।

समर एक्सप्रेस से बातचीत करते हुए मोहाली फेस 6 के सिविल अस्पताल के डॉक्टर चूग ने बताया कि दिवाली की रात पटाखे चलाने के कारण कई बच्चे और बड़े जख्मी हुए जिनकी कुल संख्या 22 के करीब थी जिसमें से 19 बर्न और सेक के कारण जख्मी हुए थे ओर जिनकी उम्र 15 से 20 साल के बीच की थी। डॉ चुग ने जानकारी देते बताया कि चार केस तो ऐसे थे जो की आतिशबाजी के कारण जिनका चेहरा बहुत ज्यादा जल गया था उन्होंने बताया कि उनके पास आतिशबाजी चलाने के कारण जितने भी कैसे आए उनकी टीम की ओर से सभी को हैंडल किया गया और उनका साथ की साथ ट्रीटमेंट भी किया गया।

डॉक्टर चुग ने लोगों को अपील की वह अपने बच्चों को ज्यादा बड़े पटाखे न चलने दे जिनके कारण उनको खतरा बना रहे।

थाना मटौर की पुलिस ने दिवाली के उत्सव पर लगाए पौधे

हरजीत मठारू | मोहाली
समर न्यूज

मोहाली के थाना मटौर में इस साल दिवाली के उत्सव पर एक नया दृश्य देखने को मिला जहां की हर जगह दिवाली की खुशी पटाखे चला कर मनाई जा रही थी वहीं थाना मटौर की पुलिस के द्वारा पौधे लगाए गए। जानकारी देते हुए थाना मटौर के एस एच ओ अमनदीप कंबोज ने बताया कि दिवाली रोशनी का त्यौहार है पटाखों के साथ सभी को हरे पौधे ज्यादा से ज्यादा लगाने चाहिए ता कि हमारा वातावरण साफ सुथरा रहे। और थाना प्रभारी ने बताया कि हर व्यक्ति को ज्यादा से ज्यादा पेड़ पौधे लगाने चाहिए और समाज में अच्छी शिक्षा देनी चाहिए था जो हमारे आने वाली पीढ़ी अच्छे काम करें और आगे बढ़े। इस मौके पर थाना प्रभारी के इलावा ए एस आई दविंदर सिंह ,केवल कुमार , संजय कुमार और आधी शामिल थे।

बुडैल जेल में बंद डीआईजी भुल्लर को मिलने पहुंचे उनके पिता

हरजीत मठारू | चंडीगढ़
समर न्यूज

कुश दिन पहले सीबीआई दारा रिश्वत लेते मामले में गिरफतार पंजाब पुलिस केIPS रूपनगर रेंज के डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर से मिलने मंगलवार को उनके पिता महल सिंह भुल्लर चंडीगढ़ की बुलैड़ में पहुंचे। सूत्रों द्वारा जानकारी मुताबिक पता चला है कि डीआईजी भुल्लर को बुडैल जेल में मिलने से पहले ही उनके पिता की आंखें नम थीं। उन्हें अपने बेटे से बुडेल जेल के अंदर मुलाकात की। इसके अलावा अभी तक परिवार के किसी और सदस्य के मिलने की जानकारी सामने नहीं आई है।

पी पी एस मोहित अग्रवाल ने संभाला एसपी हेडक्वार्टर मोहाली का पद

हरजीत मठारू | मोहाली
समर न्यूज

मोहाली में आज पीपीएस मोहित अग्रवाल ने बतौर एसपी हेडक्वार्टर का पद संभाला जानकारी यह है कि मोहित अग्रवाल पंजाब पीपीएस के अधिकारी हैं पिछले लंबे समय से मोहित अग्रवाल पंजाब के अलग-अलग जिलों में अपनी सेवा निभा चुके हैं मगर आज मोहित अग्रवाल ने बतौर एसपी हेडक्वार्टर मोहाली में अपनी कुर्सी को संभाला है इससे पहले मोहित अग्रवाल मोहाली के खरड़ मुल्लापुर गरीबदास में डी एस पी के पद पर तैनात थे ओर पहले भी मोहित अग्रवाल मोहाली सिटी वन के भी डीएसपी रह चुके हैं।

गौ ग्रास सेवा समिति में गोवर्धन पूजा का भव्य उत्सव, भक्तजनों ने लिया अन्नकूट का प्रसाद

हरजीत मठारू | मोहाली
समर न्यूज

गौ ग्रास सेवा समिति द्वारा संचालित गौ हॉस्पिटल एवं गौशाला फेज-1 मोहाली में सभी धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से गोवर्धन पूजा का उत्सव बहुत धूम धाम से मनाया गया। उपस्थित सभी महिला संकीर्तन मंडलियों ने एक एक कर भगवान श्री कृष्ण जी के चरणों में हाजरी लगाई तथा मधुर भजनों द्वारा श्री गोवर्धन महाराज का गुणगान किया। पंडित जी द्वारा पूर्ण विधिविधान से गौ गोबर द्वारा तैयार किया गए श्री गोवर्धन महाराज जी का पूजन करवाया गया तथा 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग लगवाया गया। कार्यक्रम में आए सभी भक्तजनों ने अन्नकूट के रूप में कड़ी, चावल तथा हलवे का प्रसाद ग्रहण किया।

समिति के महासचिव हरकेश सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि पुराणों के अनुसार भगवान श्री कृष्ण जी ने दीपावली के अगले दिन से गोवर्धन पूजा का उत्सव शुरू करवाया गया था। गो-वर-धन अर्थात गायों का वर्धन। गायों का गोबर धरती माता के लिए वरदान है तथा गाएं गोवर्धन पर्वत पर चारण एवं विचरण कर आनंदित तथा प्रफुलित हो जाती हैं, जिससे प्रत्येक घर में दूध, दही, घी, मक्खन की नदियां बहती हैं। इसी कारण भगवान श्री कृष्ण जी ने गोवर्धन पूजा शुरू करवाया तथा इन्द्र का घमंड तोड़ा।

हरकेश ने बताया कि आज से ही गौ नवरात्रे शुरू हो जाते हैं तथा गोपाष्टमी के अगले दिन तक मनाए जाते हैं। इन्हें गुप्त नवरात्रे भी कहा जाता है। इन दिनों में हम सभी को श्री सुरभ्यै नमः मंत्र का अधिक से अधिक जाप करना चाहिए।

इससे सभी मनोकामनाएं पूरी होती है तथा सुख समृद्धि प्राप्त होती है। श्री सुरभि मैया भगवान श्री कृष्ण की ईस्ट देवी है तथा वह भी स्वयं श्री सुरभि मंत्र का जाप करते हैं।

हरकेश ने बताया कि आगामी 26 अक्टूबर को शाम 5 बजे से गौ हॉस्पिटल एवं गौशाला में गोपाष्टमी महोत्सव के रूप में मनाया जाएगा। इस कार्यक्रम में भजन संकीर्तन के साथ साथ गौ प्रवचन के लिए आचार्य स्वामी राजेश्वरानंद जी महाराज विशेष रूप से पधार रहें हैं। समिति सभी भक्तजनों से सपरिवार कार्यक्रम में शामिल होकर गौ माता का आशीर्वाद प्राप्त करने की प्रार्थना करती है।

चंडीगढ़ सेक्टर-55 के गांव पलसोरा में 35वां विश्वकर्मा डे बड़ी धूमधाम से मनाया गया

हरजीत मठारू | चंडीगढ़
समर न्यूज

चंडीगढ़ के सेक्टर-55 स्थित गांव में इस वर्ष भगवान विश्वकर्मा डे का आयोजन बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ किया गया। खास बात यह रही कि यह कार्यक्रम "विश्वकर्मा 35" के अंतर्गत आयोजित किया गया, जो लगातार 35वां वार्षिक आयोजन है। इस विशेष मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद एवं चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के चांसलर श्री सतनाम सिंह संधू शिरकत करेंगे। उनके आगमन को लेकर गांव में विशेष तैयारियां की गई हैं। आयोजकों के अनुसार, सतनाम सिंह संधू इस अवसर पर लोगों को संबोधित करेंगे और विश्वकर्मा जयंती के महत्व पर प्रकाश डालेंगे।

कार्यक्रम में पंजाब के मशहूर कलाकार भी अपनी प्रस्तुति देंगे। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों का मनोरंजन किया जाएगा, जिसमें पंजाबी लोकगीत, भांगड़ा, और पारंपरिक प्रस्तुतियाँ शामिल होंगी।

स्थानीय निवासियों में कार्यक्रम को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। आयोजन समिति के सदस्य ने बताया कि "विश्वकर्मा 35"वा न केवल धार्मिक श्रद्धा का प्रतीक है, बल्कि यह समाज में एकता, परंपरा और सांस्कृतिक मूल्यों को भी प्रोत्साहित करता है।

इस आयोजन में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, सामाजिक कार्यकर्ता और युवाओं ने भाग लिया और भगवान विश्वकर्मा से क्षेत्र की समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

ग्रुप एडिटरः अर्शदीप सिंह, एग्जीक्यूटिव एडिटर : चंदन स्वप्निल*, मुद्रक, प्रकाशक, इंप्रेशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट- 22, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला। आरएनआई पंजीकरण संख्याः CHMUL/25/A1155
*इस अंक में प्रकाशित सभी समाचार पीआरबी के चयन एवं संपादन हेतु हैं। अधिनियम के अंतर्गत सभी उत्तरदायित्व और उससे उत्पन्न सभी विवाद लुधियाना न्यायालय के अधीन होंगे। वर्ष 1 अंक 47